mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-1 अंक-67 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़

08 सितम्बर 2025 सोमवार

दैनिक

मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

शुभमन ने अयास में

@ पेज 7

हिमाचल में अब तक 350+ लोगों की मौत, 4.07 लाख करोड़ का नुकसान

उराखंड में बादल फटा, पंजाब में अभी भी बाढ़

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन (24 जुलाई से लेकर 7 अगस्त) तक बारिश-बाढ़, लैंडस्लाइड से जुड़ी घटनाओं में 366 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य सरकार को 4 लाख करोड़ की संपत्ति का नुकसान भी हुआ है। शिमला में 116% और कुल्लू में 113% बारिश हुई, जो सामान्य से दोगुनी है। पंजाब के सभी 23 जिले अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में अगले 3 दिन बारिश का अलर्ट नहीं है, लेकिन लुधियाना का ससराली बांध टूटने का खतरा बना हुआ है जो सतलुज नदी पर बना है। इस पर बनाया रिंग बांध भी कटने लगा है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के नौगांव में शनिवार शाम को बादल फटा। बाजार और कई घरों में पानी-मलबा घुस गया। सड़क पर खड़ी कई गाड़ियां भी बह गई। उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना नदी शहर से 1 किमी दूर तक पहुंच गई है। घाट किनारे के आश्रमों में 5 फीट तक पानी भरा है। वृंदावन परिक्रमा मार्ग पानी में डूबा है।

गुजरात और राजस्थान में बारिश का रेड अलर्ट : मौसम विभाग ने रविवार को महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान में बारिश का रेड अलर्ट, गोवा में ऑरेंज और MP-बिहार समेत 20 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया है।

उत्तर प्रदेश- इटावा में यमुना से 7 गांवों में बाढ़ : इटावा के चकरनगर क्षेत्र में चंबल और यमुना नदियों का जलस्तर बढ़ने से बाढ़ आ गई है। यमुना चेतावनी बिंदु 120.92 मीटर को पार कर 121.66 मीटर तक पहुंच गई है, जो खतरे के निशान से मात्र 26 सेंटीमीटर नीचे है। बाढ़ से 7 गांवों के लोग सबसे ज्यादा प्रभावित हैं।

पंजाब में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे पीएम मोदी, 9 सितंबर को आने की संभावना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही पंजाब में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर सकते हैं। यह दौरान 9 सितंबर को हो सकता है। जिसमें मोदी पंजाब के अलावा हिमाचल और उत्तराखंड भी जा सकते हैं। पंजाब में वे गुरदासपुर जा सकते हैं। इससे पहले केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान पंजाब का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी के कहने पर वे पंजाब आए हैं। उन्होंने पंजाब की पूरी मदद का भरोसा दिलाया था। पंजाब सरकार लगातार केंद्र से 60 हजार करोड़ का फंड मांग रही है। प्रदेश के वित्त मंत्री हरपाल चीमा के मुताबिक प्रदेश के 2 हजार गांव बाढ़ की चपेट में हैं और 43 लोगों की मौत हो चुकी है। केंद्र सरकार से मांगी गई मदद भी अभी तक राज्य को नहीं मिली है। हालांकि दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने आज पंजाब को 5 करोड़ देने का ऐलान किया है। वहीं, शनिवार को भी पूरे दिन लुधियाना का ससराली बांध टूटने का खतरा बना रहा। शुक्रवार आधी रात को यहां सतलुज नदी पर गांव ससराली में बना बांध टूट गया था। जिसके बाद पानी खेतों में पहुंच गया। आबादी की तरफ जाते पानी का बहाव को रोकने के लिए प्रशासन ने सेना और NDRF की मदद से रिंग बांध बनाया था लेकिन शनिवार को उसपर भी कटाव होना शुरू हो गया, जिसे देखते हुए तीसरा बांध बनाना शुरू कर दिया गया। अगर यहां से बाढ़ का पानी आगे बढ़ा तो फिर 14 गांवों के अलावा राहों रोड से लेकर समराला चौक तक पानी की जद में आ सकता है। इसे देखते हुए लोगों के साथ DC हिमांशु जैन खुद भी मिट्टी से भरी बोरियां उठाते नजर आए। सतलुज नदी से बाढ़ के खतरे को देखते हुए लोग गांव खाली करते भी नजर आए।

अहमदाबाद : साबरमती नदी उफान पर, रिवरफ्रंट डूबा

गुजरात में लगातार भारी बारिश और धरोई डैम से पानी छोड़े जाने के बाद साबरमती नदी उफान पर है। इसके चलते अहमदाबाद रिवर फ्रंट जलमग्न हो गया। प्रशासन ने निचले इलाकों के निवासियों के लिए अलर्ट जारी किया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

गुजरात में रविवार को कई जिलों के लिए बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में कच्छ, बनासकांठा, पाटण, मोरबी, वलसाड, दमन, दादर और नगर हवेली शामिल हैं।

वहीं, सुरेंद्रनगर, राजकोट, जामनगर, देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जूनागढ़, गिर सोमनाथ, दीव, अमरेली, भावनगर, बोटाद, अहमदाबाद, मेहसाणा, गांधीनगर, साबरकांठा, नवसारी, सूरत और तापी में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

सिद्धनाथ मंदिर और कई प्रमुख मार्ग जलमग्न होकर बंद हो गए हैं।

हजरतबल दरगाह विवाद में 26 लोग पुलिस हिरासत में

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में 3 सितंबर को हजरतबल दरगाह में राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ के चिन्ह वाली शिलापट्ट तोड़ी गई। इसके अगले दिन 4 सितंबर को अनंतनाग की खिरम दरगाह में फुटब्रिज के उद्घाटन किया गया था। यहां लगाई शिलापट्ट में केवल वक्फ बोर्ड का लोगो था, अशोक चिन्ह नहीं था। उद्घाटन में जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की चेयरपर्सन दरख्शां अंद्राबी भी पहुंची थीं। अब सवाल खड़ा हो रहा है कि क्या जानबूझकर हजरतबल दरगाह में लगाई गई शिलापट्ट में अशोक स्तंभ चिन्ह उकेरा गया था। जिससे माहौल खराब किया जा सके।

वहीं, हजरतबल दरगाह में अशोक स्तंभ शिलापट्ट तोड़ने के मामले में पुलिस ने शनिवार को 26 लोगों को हिरासत में लिया है। वायरल CCTV फुटेज के आधार पर इनकी पहचान की गई।

ईडी ने सुब्रत रॉय के बेटे को भगोड़ा बताया

1.74 लाख करोड़ रुपए के घोटाले में सहारा के खिलाफ चार्जशीट

कोलकाता, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने सहारा इंडिया समूह के खिलाफ कोलकाता की कोर्ट में सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की है। इसमें 1.74 लाख करोड़ रुपए के चिटफंड घोटाले का जिक्र है। ईडी ने सहारा के संस्थापक दिवंगत सुब्रत रॉय की पत्नी सपना रॉय, बेटे सुशांत रॉय को आरोपी बनाया है। अनिल वैलापरमपिल अब्राहम और जितेंद्र प्रसाद (जेपी) वर्मा समेत समूह के कई वरिष्ठ अधिकारी भी आरोपियों में शामिल हैं।

ईडी ने सुशांत को भगोड़ा बताया है। वह पूछताछ में शामिल नहीं हुए थे। ईडी उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कराने की प्रक्रिया में है। सहारा के खिलाफ 500 से अधिक एफआईआर दर्ज हैं। इनमें से करीब 300 में दर्ज आरोप पीएमएलए के दायरे में आते हैं।

दुकानों के साइनबोर्ड पर बंगाली भाषा का इस्तेमाल जरूरी

भाषा-विवाद के बीच कोलकाता नगर निगम का निर्देश

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता नगर निगम ने आदेश दिया है कि शहर के सभी व्यावसायिक और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को अपने साइनबोर्ड और होर्डिंग्स पर बंगाली भाषा का इस्तेमाल करना अनिवार्य कर दिया है। नगर निगम ने अपने निर्देश में कहा है कि भाषाई अधिकार को बढ़ावा देने और समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए ऐसा निर्देश दिया गया है। नगर आयुक्त धवल जैन ने 30 अगस्त को जारी एक परिपत्र में कहा है कि सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को 30 सितंबर तक इस आदेश का पालन करना होगा।

क्या वोट चोरी के आरोपियों को बचा रहा चुनाव आयोग ?

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने चुनाव आयोग पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। वोट चोरी के आरोपों को लेकर देशभर की सियासत में गर्माहट है। विपक्षी इंडिया गठबंधन लगातार रूप से इसके लिए चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर निशाना साध रही है। ऐसे में एक बार फिर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को चुनाव आयोग पर बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि आयोग जरूरी जानकारी साझा नहीं कर रहा, जिससे कथित वोट चोरी के आरोपियों को बचाया जा रहा है।अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए खरगे ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले अलंद विधानसभा क्षेत्र में फॉर्म-7 के जरिए मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए।

या बोले मल्लिकार्जुन खरगे?

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने आगे कहा कि फरवरी 2023 में इस मामले पर केस दर्ज हुआ था और जांच में 5,994 फर्जी फॉर्म-7 सामने आए, जो बड़े पैमाने पर वोटर फ्रॉड का सबूत थे। इसके बाद कांग्रेस सरकार ने सीआईडी जांच के आदेश दिए थे। खरगे ने कहा कि पहले ईसीआई ने कुछ दस्तावेजों को जांच के लिए साझा किया, लेकिन अब वह जरूरी और अहम जानकारी देने से मना कर रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर चुनाव आयोग किसे बचा रहा है? क्या भाजपा के दबाव में आकर चुनाव आयोग सीआईडी की जांच को भटका रहा है? इसके साथ ही खरगे ने आगे कहा कि एक नागरिक का वोट देने का अधिकार सबसे जरूरी है और भारतीय लोकतंत्र की रक्षा होनी चाहिए। हालांकि चुनाव आयोग की ओर से अभी तक इस मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

वोटर आईडी में अब मकान नंबर 0 नहीं होगा, घर नहीं होने पर काल्पनिक नंबर नहीं दिए जाएंगे

राहुल ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाए थे

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में सैकड़ों मतदाता पहचान पत्रों में मकानों का एक ही पता 'जीरो' दर्ज होने से मचे बवाल के बीच चुनाव आयोग कुछ परिस्थितियों में नोशनल नंबर देना खत्म करने जा रहा है। इसके लिए मतदाता के पते के बारे में नए फॉर्मेट पर विचार किया जा रहा है, ताकि काल्पनिक नंबर देने की मजबूरी खत्म हो जाए। इसके तहत वोटर आईडी में मकान नंबर डालने की अनिवार्यता समाप्त करना भी शामिल है। मकान नंबर की जगह आधार नंबर डालने को भी विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। गौरतलब है कि कांग्रेस ने बड़ी संख्या में मकानों को नंबर 00 या 77777 या 9999 देने को राजनीतिक मुद्दा बनाया हुआ है।

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक की वोटर लिस्ट में ऐसे कई पते दिखाए थे, जिनके आगे यही नंबर लिखे हुए थे। इसके बाद ऐसे वोटर्स को लेकर नई बहस छिड़ गई थी। चुनाव आयोग पर भी सवाल उठ रहे थे।

CEC बोले थे- जिनके पास घर नहीं होता, उनका हाउस नंबर 0 होता है : चीफ इलेक्शन कमिश्नर (CEC) ज्ञानेश कुमार ने 17 अगस्त को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बताया था कि बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता होते हैं जो फुटपाथ पर, पुलों के नीचे या किसी लैंपपोस्ट के नीचे रात बिताते हैं। ऐसे मतदाताओं के घर के पते में मकान नंबर जीरो दर्ज किया जाता है। आधार जारी करने वाली संस्था यूआईडीएआई का अनुमान है कि 12 लाख लोगों के आधार में स्थाई पता दर्ज नहीं है। आधार अथॉरिटी ने ऐसे लोगों के लिए हेड ऑफ द फैमिली को केयर ऑफ दिखाकर पता दर्ज किया हुआ है।

देश में 17.73 लाख लोगों के पास आवास नंबर नहीं

पिछली जनगणना में यह भी सामने आया कि देश में करीब 17 लाख 73 हजार लोग बेघर हैं। उनके पास कोई जनगणना आवास नंबर नहीं था। ऐसे करीब 9 लाख 38 हजार लोग शहरी इलाके में और 8 लाख 34 लाख लोग ग्रामीण इलाके में दर्ज किए गए। नागरिक संगठनों ने इस संख्या पर एतराज भी जताए थे और कहा था कि बेघर लोगों की संख्या इससे कहीं अधिक है। अब 2027 की जनगणना में सही तस्वीर सामने आएगी। इस जनगणना के जरिए भी मकान संख्या ठीक से दर्ज करने और उन्हें घरों सामने पते तौर पर लिखने की पुख्ता व्यवस्था होने की उम्मीद की जा रही है।

लालबाग के राजा का विसर्जन, ऊंची लहरों की वजह से हुई देरी

महाराष्ट्र में चार डूबे, 13 लापता

मुंबई / पालघर, एजेंसी। मुंबई के सबसे प्रसिद्ध गणपति पंडाल लालबाग के राजा का समुद्र में विसर्जन रविवार को अचानक आई समुद्र में ऊंची लहरें के कारण देर से हुआ। यह पहली बार है जब इस तरह की स्थिति के चलते विसर्जन समय पर नहीं हो पाया। हर साल की तरह इस बार भी मूर्ति को दक्षिण मुंबई के गिरगांव चौपाटी पर सुबह 9 बजे से पहले गहरे समुद्र में विसर्जित करने की तैयारी थी। लेकिन रविवार तड़के जब मूर्ति चौपाटी पहुंची, उसी समय समुद्र में पानी का तेज बहाव शुरू हो गया।

समुद्र में ऊंची लहरें की वजह से मूर्ति को ले जाने वाला प्लेटफॉर्म (मंच) पानी में तैरने लगा, जिससे उसे ठीक से राफ्ट (बड़ी नावनुमा बेड़ा) पर चढ़ाना मुश्किल हो गया। लगभग तीन घंटे तक मूर्ति कुछ फीट गहरे पानी में रही। इस दौरान 15 से 20 स्वयंसेवक और मछुआरे मिलकर उसे संभालते रहे। सुबह करीब 11:40 बजे हाई टाइड 4.42 मीटर तक पहुंच गई थी। इस साल मंडल ने मूर्ति को विसर्जन के लिए एक नया, बड़े आकार का राफ्ट तैयार किया है। सुबह से ही हजारों भक्त गिरगांव चौपाटी पर अपने प्रिय बप्पा के अंतिम दर्शन के लिए मौजूद रहे। भीड़ को संभालने के लिए नगर निगम और पुलिस अधिकारी चौकसी के साथ निगरानी करते रहे।

गणेश विसर्जन के दौरान करंट लगने से एक की मौत, 5 घायल

साकीनाका क्षेत्र में रविवार सुबह गणेश मूर्ति विसर्जन जुलूस के दौरान एक बड़ा हादसा हो गया, जहा एक करंट वाला तार मूर्ति को छू गया, जिससे पास खड़े 6 भक्त करंट की चपेट में आ गए। यह घटना खैरानी रोड पर करीब 10 :45 बजे हुई। घायलों को तुरंत पास के निजी अस्पतालों और सात हिल्स अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बीनू सुकुमारन कुमारन को मृत घोषित कर दिया। सभी घायलों का इलाज पैरामाउंट अस्पताल में हो रहा है और उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। स्थानीय पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और इलाके में बिजली विभाग की टीम भी तैनात कर दी गई है, ताकि आगे कोई हादसा न हो।

मदरसा में कुकर्म के बाद नाबालिग छात्र की हत्या, पांच नाबालिग हिरासत में लिए गए

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के नयागढ़ जिले में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। दरअसल मदरसा में पढ़ने वाले नाबालिग छात्रों ने पहले वर्षों तक पीड़ित नाबालिग छात्र के साथ कुकर्म किया और फिर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में पांच नाबालिग आरोपियों को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी नाबालिग छात्र 12 से 15 साल की उम्र के हैं। **बेरहमी से की गई नाबालिग की हत्या**-पीड़ित कटक जिले का रहने वाला था और नीलापल्ली स्थित एक मदरसे में पढ़ता था। मृतक के पिता की शिकायत के अनुसार, मदरसा परिसर में एक खाली पड़े बाथरूम में बच्चे की हत्या कर उसके शव को एक बेकार पड़े सेप्टिक टैंक में फेंक दिया गया।

जोधपुर में संघ की समन्वय बैठक में एकता और समाज निर्माण पर रहा फोकस

जोधपुर, एजेंसी। जोधपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक का आज आखिरी दिन है। विविध संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्षों और संगठन मंत्रियों की उपस्थिति में हुई इस बैठक का समापन सरसंघचालक मोहन भागवत के उद्बोधन से होगा।

बैठक में पंजाब में मतांतरण और नशे की समस्या पर चिंता व्यक्त की गई। बंगाल में घुसपैठ और कानून-व्यवस्था की स्थिति को गंभीर चुनौती बताया गया। मणिपुर में शांति प्रयासों और जनजातीय क्षेत्रों में नक्सली प्रभाव कम होने को सकारात्मक संकेत माना गया। साथ ही, संघ के शताब्दी वर्ष से जुड़े कार्यक्रमों और समाज परिवर्तन से जुड़े संघ की ओर से दिए गए पंच परिवर्तन विषयक योजनाओं पर विचार हुआ।

बैठक के बारे में संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने आज पत्रकारों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संघ और उससे जुड़े संगठन समाज में एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करने के लिए सतत प्रयास कर रहे हैं। महिला सहभागिता, शिक्षा का भारतीयकरण, सामाजिक चुनौतियाँ और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दे चर्चा के मुख्य बैठक के केंद्र में रहे।

महिला समन्वय के विषय पर उन्होंने बताया कि विविध संगठन महिलाओं को नेतृत्व और भागीदारी के अधिक अवसर दे रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान देशभर में 887 कार्यक्रम आयोजित हुए, जिन्हें विविध क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं ने आयोजित किया। बैठक में क्रीड़ा भारती ने खेल जगत की महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर अध्ययन प्रस्तुत किया। आंबेकर ने शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सकारात्मक कदम बताया। उन्होंने कहा कि देशभर मे शिक्षा से जुड़े हुए विभिन्न संगठन इसे जमीन पर उतरने के लिए सहयोग देने से जुड़े प्रयास कर रहे हैं।आंबेकर ने मतदाता सूची अपडेट से जुड़ी बिहार में जारी एसआईआर प्रक्रिया का समर्थन किया और कहा कि इस सकारात्मक पहल को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पहले भी मतदाता सूची को समय-समय पर अपडेट करता रहा है और यह नियम कानून के तहत होने वाली प्रक्रिया है जिसमें किसी भी आपत्ती का समाधान करने की भी व्यवस्था है। सुनील आंबेकर ने भाषा और समाज से जुड़े मुद्दों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि संघ हमेशा भाषा के आधार पर भेदभाव का विरोध करता आया है और यह मानता है कि अंग्रेज़ी की बजाय लोग अपनी स्थानीय भाषाओं में शिक्षा पाना चाहें, इसका आग्रह बढ़ाने की आवश्यकता है।

बाढ़ ने दी मानसिक व शारीरिक चोट... बर्बाद हो गईं फसलें, मच्छर और जलजनित बीमारियों का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। बाढ़ के बाद प्रभावित क्षेत्रों में जल और मच्छर जनित सहित कई दूसरी बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। यमुना का पानी अब धीरे-धीरे उतर रहा है। ऐसे में मलेरिया, डेंगू, चिकगुनिया, हैजा, त्वचा और श्वसन संबंधी बीमारियों की चपेट में लोग के आने की संभावना बढ़ गई है। सफदरजंग अस्पताल के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग प्रमुख डॉ. जुगल किशोर ने कहा कि बाढ़ के आने और उसका पानी उतरने पर कई तरह की समस्या देखने को मिलती है। बाढ़ में सांप और दूसरे कीड़-मकौड़े के काटने की घटना बढ़ जाती हैं। बाढ़ से कुत्ते भी हमलावर होकर काट लेते हैं। बाढ़ की चपेट में आने पर व्यक्ति को डायरिया और आई फ्लू हो जाता है। जब बाढ़ का पानी कम होने लगता है तो मच्छर जनित बीमारियों के होने की संभावना बढ़ जाती है। साथ ही बाढ़ से प्रभावित ऐसे लोग जो पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे होते है दवा का सेवन न करने की वजह से उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। ऐसे में लोग साफ-सफाई का जरूर ध्यान रखें।

बाढ़ प्रभावितों और मवेशियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता – कपिल : बाढ़ प्रभावित इलाकों में राहत एवं बचाव कार्य तेज कर दिए गए हैं। शुक्रवार रात 9 बजे कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने पुराने रेलवे पुल के पास स्थित प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर हालात का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विशेष रूप से उस गोशाला का भी दौरा किया जहां बाढ़ के पानी में फंसी मवेशी मौजूद थे। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार की टीमें और अधिकारी मौके पर तैनात हैं। रात 11 बजे के बाद गाड़ियों की मदद से इन पशुओं को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया जाएगा। बाढ़ प्रभावित लोगों व पशुओं दोनों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। गोशाला में फंसे बछड़ों और गायों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की पूरी व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने गोरक्षा दल के युवाओं की सेवा भावना की सराहना की जो लगातार तीन दिनों से गोशाला में फंसे पशुओं की देखभाल कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि जहां पशुओं को बाहर निकालना संभव नहीं है वहां उनके भोजन और देखभाल की व्यवस्था की जा रही है। सरकार की ओर से प्रभावित परिवारों के लिए भोजन, टेंट और अन्य जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

बर्बाद हो गई फसलें, अब पानी उतरने का इंतजार : यमुना में उफान आने से न केवल लोग बेघर हुए हैं बल्कि किसानों की सारी फसलें भी बर्बाद हो गई हैं। इससे किसानों को काफी नुकसान उठाना पड़ा है। ऐसे में यमुना खादर, चिल्ला, पुराना उस्मानपुर, गढ़ी मांडू और सोनिया विहार के किसान यमुना का जलस्तर कम होने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वह फिर से खेतों में लौटकर नई फसलें लगा सकें। यमुना डूब क्षेत्र में किसानों ने अधिकतर सब्जी की फसलें उगाई थीं। इनमें बैंगन, भिंडी, लौकी, मूली, गाजर, टमाटर, गोभी, मटर, आलू, प्याज और मिर्च समेत अन्य फसलें शामिल थीं। किसानों ने बताया कि वह फसलें उगाने के लिए जमीन को पट्टे पर लेते हैं। इसके लिए वह अपने रिश्तेदारों, दोस्तों और बैंकों से लोन लेते हैं। उनका कहना है कि उगाई हुई फसलों में से कुछ हिस्सा वह अपनी जरूरतों के मुताबिक रख लेते हैं, बाकी कि फसलें वह पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार फेस-1, मयूर विहार फेस-2, पांडव नगर, त्रिलोकपुरी, लक्ष्मी नगर, शकरपुर, गाजीपुर अनाज मंडी व अन्य इलाको में बेच देते हैं। फसल बेचकर जो पैसे आते हैं, उसी से ब्याज और उधार के पैसे देते हैं लेकिन बाढ़ ने सब कुछ बर्बाद कर दिया है।

यमुना की बाढ़ ने दी मानसिक व शारीरिक चोट : पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार पल्ला क्षेत्र में आई बाढ़ ने दिल्ली वालों को मानसिक के साथ शारीरिक चोट भी पहुंचाई है। अपने आशियाने के साथ जमा-पूंजी बचाने के दौरान लगी चोटें शायद ही वह कभी भुला पाएं। यही नहीं, यमुना नदी के उफान ने न केवल लोगों के घर उजाड़े, बल्कि उनकी सेहत पर भी गहरा असर डाला है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में बने राहत शिविरों में चोटिल और बीमार लोगों की भीड़ बढ़ती जा रही है। शनिवार को विभिन्न राहत शिविरों में 200 से अधिक लोगों का इलाज किया गया, जिनमें बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा रही। ऐसे में जो सरकारी और निजी संस्थाएं कभी इन लोगों तक पहुंचती भी नहीं पाती थीं, मौजूदा समय में वह उनकी इन घावों को भरने का प्रयास कर रहीं हैं। इसके लिए संस्थाएं शिविरों में मेडिकल कैंप लगाकर सेवाएं दे रही हैं। कैंपों में मौजूद डॉक्टरों के अनुसार कैंप में गंभीर चोटें लगने वाले मरीजों की संख्या अधिक है। बाढ़ के पानी में डूबने, फिसलने और मलबे से चोटिल होने के कई मामले सामने आए हैं। डॉ. प्रिंस ने बताया कि राहत शिविर में शनिवार को ही 200 से अधिक लोग कैंप में चिकित्सा सुविधा लेने पहुंचे। इनमें बच्चों और पुरुषों में ज्यादातर हाथों में गहरे कट, सिर पर चोट और पैरों में गंभीर घाव जैसी दिक्कतें देखने को मिलीं।

21 साल के कुणाल को आया हार्ट अटैकः गणेश विसर्जन के दौरान नाच रहा था डीजे पर, गम में बदल गईं खुशियां

नई दिल्ली,एजेंसी। मध्य दिल्ली के पटेल नगर स्थित बलजीत नगर में शनिवार शाम गणेश विसर्जन के दौरान एक हादसा हो गया। यहां डीजे की धुन पर नाचते-नाचते एक युवक अचेत होकर गिर गया। उसको नजदीकी बीएल कपूर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त कुणाल (21) के रूप में हुई है। युवक की मौत का पता चलते ही लोगों की खुशियां गम में बदल गई। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस अधिकारियों ने जब पोस्टमार्टम की बात की तो परिजन नाराज हो गए। इस दौरान कुछ लोगों ने हंगामा भी किया। पुलिस अधिकारियों का कहना था कि युवक की मौत की वजह पता लगाने के लिए उसका पोस्टमार्टम करवाना जरूरी है। हालांकि आशंका व्यक्त की जा रही है कि हार्ट अटैक से युवक की मौत हुई। पुलिस के मुताबिक कुणाल प्राइवेट नौकरी करने के अलावा पढ़ाई भी कर रहा था। शनिवार को मोहल्ले से गणपति बप्पा की विदाई होना थी। पूरे मोहल्ले वाले खुशियां मनाते हुए डांस कर रहे थे। गणेश विसर्जन के लिए सभी को बवाना जाना था। घर के पास ही कुणाल बाकी लड़कों के साथ डांस कर रहा था। नाचते-नाचते वह बैठ गया और अचेत हो गया। बाद में उसकी मौत हो गई। कुणाल के परिजनों का कहना है कि उसे किसी तरह की कोई बीमारी नहीं थी।

जेएनयू में तेंदुए की सूचना पर मचा हड़कंप, जांच में वन विभाग की टीम ने तेंदुए की मौजूदगी से किया मना

नई दिल्ली,एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) परिसर में शुक्रवार देर रात तेंदुआ दिखने की सूचना पर छात्रों के बीच हड़कंप मच गया। उसके बाद प्रशासन ने भी छात्रों को सावधानी बरतने के निर्देश जारी कर दिए। तेंदुए की खोज के लिए जेएनयू प्रशासन ने वन विभाग की टीम से संपर्क किया। शनिवार को वन अधिकारियों ने जांच के बाद परिसर में तेंदुए की मौजूदगी से इन्कार कर दिया। तेंदुए के दावे को लेकर कोई वीडियो और फोटो भी सामने नहीं आया था। जेएनयू के एक सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि तेंदुए की सूचना पर वन विभाग और वाइल्ड लाइफ की टीम से संपर्क किया गया। पहले वन विभाग की टीम ने तेंदुए के फुट प्रिंट की आशंका जताई थी। दोबारा से छह सदस्यों की टीम ने संबंधित क्षेत्र का जायजा लिया और परिसर में तेंदुए की मौजूदगी से इन्कार कर दिया।

तेंदुए की सूचना के मद्देनजर एहतियातन यूनिवर्सिटी के सभी निवासियों को दरवाजे और खिड़की बंद करने के निर्देश दिए थे। अगर किसी को परिसर में कहीं जाना है तो वह समूह में जाएं। सार्वजनिक क्षेत्र में लाइट जलाकर रखे। बाथरुम के दरवाजे बंद रखे। कावेरी, पेरियार, गोदावरी हॉस्टल की खास निगरानी रखी जाएं, वहां पर दिव्यांग छात्र रहते हैं। स्टेडियम के हिस्से की भी खास देखरेख की जाएं।

हॉस्टल छात्र ने तेंदुआ देखने का किया था दावा : कावेरी हॉस्टल के एक छात्र ने अरावली गेस्ट हाउस की पहाड़ी के पास परिसर में तेंदुआ देखने का दावा किया था। यह छात्र वाइल्डलाइफ पर काम करता है। छात्र बिल्ली और कुत्तों को फीडिंग भी कराता है। छात्र का दावा था कि तेंदुए के आने पर परिसर के कुत्ते और बिल्ली छिप गए थे।

तेंदुआ दिन में रहता है छिपकर : वन्यजीव विशेषज्ञ डॉ. फैयाज खुदसर ने कहा कि तेंदुआ ऐसा जानवर है जो छोटे से भी वन्य क्षेत्र में रह सकता है। इसलिए शहरी क्षेत्र में जहां कुछ पेड़, झाड़ियों का समूह है वहां पर छिपकर रह पाता है। खाने को लेकर तेंदुआ किसी खास चीज पर केंद्रित नहीं रहता है। शहरी क्षेत्र में तेंदुआ कूड़े में से भी मुर्गी के अवशेष, चिकन, चुहे, मोर, कुत्ते को मारकर भी खा सकता है। तेंदुआ दिन में छिपकर रहता है और रात में अधिक सक्रिय होता है। उधर, छात्रों का एक समूह तेंदुआ दिखने की घटना को अफवाह भी बता रहा है। इस संबंध में एक ऑडियो वायरल है। इसमें तेंदुए की अफवाह फैलाने वाले छात्र पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

नशे में धुत कार सवारों ने पुलिस बैरिकेड में मारी टक्कर, बाल बाल बचे पुलिसकर्मी

नई दिल्ली, एजेंसी। कापसहेड़ा बॉर्डर पर बृहस्पतिवार देर रात शराब के नशे में धुत कार चालक ने पुलिस बैरिकेड को जोरदार टक्कर मार दी। पुलिस के रोके जाने के बावजूद आरोपी चालक कार में फंसे बैरिकेड को काफी दूर तक घसीटते हुए ले गए। कार रुकते ही लोगों ने चालक समेत तीन युवकों को बाहर निकालकर उनकी पिटाई कर दी। मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए युवकों की पहचान गुरुग्राम निवासी रफीम, दीपक लांबा और राहुल हुड्डा के रूप में हुई। यह अफवाह है। प्रभु श्रीराम की कृपा से दिल्ली को सांस्कृतिक ऊर्जा और नई प्रेरणा मिलती है। सरकार की प्राथमिकता है कि यह परंपरा प्रशासन ने ब्रिटिश अधिकारियों को आश्वस्त किया कि प्रत्यर्पित कैदियों की सुरक्षा में कोई कमी नहीं होगी। जानकारी के मुताबिक कापसहेड़ा थाने में दर्ज प्राथमिकी में हवलदार अमित कुमार ने बताया कि बृहस्पतिवार रात उनकी तैनाती गुरुग्राम बॉर्डर के पिकेट पर थी। उनके साथ सिपाही मोहन और हरीश थे। उन्होंने रात करीब 12.30 बजे गुरुग्राम की ओर से स्विफ्ट कार आते देखा। चालक कार को तेज रफ्तार से चला रहा था। जवानों ने कार को रुकने का इशारा किया। चालक ने कार को बैरिकेड से पहले रोक दिया और फिर उसे सूर्या विहार की तरफ ले गया।

चिड़ियाघर में पक्षियों की सुरक्षा के उपाय सख्ती से लागू

नई दिल्ली,एजेंसी। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (चिड़ियाघर) में पक्षीशाला में जलीय पक्षियों या तालाबों के आसपास प्रवासी पक्षियों की मृत्यु की कोई नई सूचना नहीं मिली है। चिड़ियाघर में पक्षियों, जानवरों और कर्मचारियों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए गहन स्वच्छता और जैव-सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू किया जा रहा है। चिड़ियाघर के निदेशक डॉ. संजीत कुमार ने बताया, बहुमूल्य वन्यजीवों को बचाने के लिए स्वास्थ्य सलाहकार समिति के विशेषज्ञों की सलाह पर लगातार काम किया जा रहा है। आइसोलेशन वार्ड में पक्षियों का उपचार और गहन निगरानी जारी है, हालांकि उपचार के दौरान एक पेंटेड स्टॉर्क की मृत्यु हो गई। चिड़ियाघर प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और रोग को रोकने के लिए मानक प्रोटोकॉल और दिशा-निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक कदम उठा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्थिति पर नियंत्रण के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

दोस्तों की गोली मारकर हत्या, वारदात के बाद फरार हुए हमलावर

पूर्वी दिल्ली,एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के हर्ष विहार स्थित प्रताप नगर में शुक्रवार रात दो दोस्तों सुधीर उर्फ बंटी (35) और राधे प्रजापति (30) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। दो बाइकों पर आए आरोपी वारदात के बाद मौके से फरार हो गए। सूचना पर पहुंची यूपी पुलिस दिल्ली का इलाका बताकर अपना पल्ला झगड़ने लगी। वहीं दिल्ली पुलिस के अधिकारी एरिया लोनी का बता रहे थे। करीब दो घंटे तक सीमा विवाद चलता रहा। बाद में वरिष्ठ अधिकारियों के दखल के बाद हर्ष विहार, दिल्ली में मामला दर्ज कर लिया गया। शुरुआती जांच के बाद हत्याकांड में लोनी के दो सगे भाइयों व उनके साथियों के नाम सामने आ रहे हैं। दरअसल 27 अगस्त का दोनों दोस्तों का आरोपियों से किसी बात पर विवाद हो गया था। कुछ लोगों का कहना है कि पार्किंग को लेकर कहासुनी के बाद दोनों ओर से गाली-गलौज हो गई थी।

तीन दिन पहले इस संबंध में लोनी शनि बाजार में दोबारा इनका झगड़ा हुआ मारपीट के बाद दोनों ओर से क्रॉस केस दर्ज कर लिया गया। राधे व बंटी के भाई कुलदीप को जमानत पर रिहा कर दिया गया जबकि बंटी जेल चला गया। बृहस्पतिवार को वह जमानत पर बाहर आया और शुक्रवार को बंटी व राधे की हत्या कर दी गई। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया, प्रताप नगर निवासी कि सुधीर उर्फ बंटी के परिवार में मां शकुंतला देवी, तीन भाई कुलदीप, विजय और अजय व एक बहन हैं। चारों भाइयों का ई-रिक्शा पार्किंग के अलावा शटरिंग का काम है। वहीं राधे के परिवार में कोई नहीं है वह बंटी के साथ ही रहता था। शुक्रवार रात को वह राधे, कुलदीप के साथ पार्किंग में मौजूद था।

सीसीटीवी के आधार पर हुई आरोपियों की पहचान :

पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि शाम करीब सवा सात बजे उनकी टीम को सी-ब्लॉक प्रताप नगर की पार्किंग में दो युवकों को गोली मारने की सूचना मिली थी। टीम को वहां से कई खोखे मिले। सीसीटीवी की फुटेज के आधार पर वारदात कैमरे में कैद मिली। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर ली गई है। दो युवकों को हिरासत मे लेकर पूछताछ की जा रही है। दो भाइयों के नाम सामने आए हैं। उनकी तलाश में छापेमारी की जा रही है। मामला पुरानी रंजिश का लग रहा है। आरोपियों के पकड़े जाने पर इसका खुलासा हो पाएगा।सुरजीत सिंह, प्रताप सिंह हरप्रीत सिंह और राजवंत सिंह मालवाहकों की भर्ती करने के साथ टूर का प्रबंधन करते थे। बैंकॉक में स्थानीय आपूर्तिकर्ता गांजे के सीलबंद पैकेटों को मालवाहकों को दे देते थे। ये अमृतसर, चंडीगढ़, मुंबई और दिल्ली के हवाई अड्डों पर लौटकर मेहराज खान और प्रताप सिंह से संपर्क करते और दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करते थे।इस सर्वेक्षण का उद्देश्य गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी घाटियों में जैव विविधता का मूल्यांकन करना और नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र की सेहत की जांच करना था। खास तौर पर, गंगा डॉल्फिन, जो भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव है, उनकी आबादी और उनके आवास की स्थिति को समझना इस अध्ययन का प्रमुख लक्ष्य था।

हत्या के आरोप में जेल में बंद रहे थे बंटी व राधे : मामले की जांच कर रहे एक अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2014 में एक नाबालिग की हत्या के मामले में बंटी व राधे दोनों की जेल चले गए थे। दोनों करीब 9 साल गाजियाबाद की डासना जेल में बंद रहे। इसके बाद 2024 में दोनों जमानत पर रिहा हुए। राधे के परिवार में अकेले उसके पिता ही थे, लेकिन उसके जेल जाने के बाद उनकी मौत हो गई। बंटी के भाई कुलदीप का आरोप है कि उनकी ओर से आरोपियों के माता-पिता को कोई गाली नहीं दी गई थी। उल्टा उन लोगों ने गाली दी थी। इसकी वजह से विवाद बढ़ा। 27 अगस्त के अलावा तीन पहले भी झगड़ा हुआ। वहीं कुछ लोगों का दावा था कि बंटी व राधे की ओर से गाली-गलौज की गई थी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपियों के पकड़े जाने के बाद ही पता चल पाएगा कि झगड़े की असली वजह क्या रही। उनकी तलाश की जा रही है।

सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस की मांग- सोशल मीडिया प्लेटफार्म बंद करने के फैसले पर पुनर्विचार करे सरकार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाली कांग्रेस (एनसी) ने कई सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रतिबंध लगाने के हालिया फैसले पर सरकार से पुनर्विचार करने की मांग की है। इस संबंध में पार्टी के शीर्ष नेता जल्द ही प्रधानमंत्री ओली से बातचीत करेंगे। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के आवास पर रविवार को हुई पार्टी की कार्य संपादन समिति की बैठक में फैसला लिया गया कि इस मुद्दे पर सरकार से बातचीत की जाए। पार्टी के संयुक्त महासचिव डीना उपाध्याय के अनुसार कई नेताओं ने सरकार के इस कदम पर असंतोष व्यक्त किया। उपाध्याय ने कहा कि सोशल मीडिया का नियमन आवश्यक है, लेकिन पूर्ण रूप से बंद करना सही नहीं है। उन्होंने यह भी बताया कि जल्द ही पार्टी के शीर्ष नेता प्रधानमंत्री से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह करने वाले हैं। इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन नरसिंह केसी ने कहा कि सोशल मीडिया बंद करने के फैसले ने व्यापक रूप से जनता के असंतोष को जन्म दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जब सरकार इस तरह के एकतरफा और विवादास्पद निर्णय लेती है, तो नेपाली कांग्रेस को हस्तक्षेप करना चाहिए। केसी ने इस कदम को अनुचित और अलोकतांत्रिक बताते हुए बिना पूर्व परामर्श के संसद में विचाराधीन मुद्दे पर सरकार के इस कदम के लिए सत्तारूढ़ गठबंधन की भी आलोचना की।

यक्रेन पर रूस का सबसे बड़ा हवाई हमला, कीव पर दागे 800 से ज्यादा ड्रोन, कैबिनेट भवन को भी निशाना बनाया

कीव, एजेंसी। रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर अबतक का सबसे बड़ा हवाई हमला करते हुए शनिवार की देर रात से रविवार सुबह तक 805 ड्रोन और 13 मिसाइलें दागीं। इन हमलों में 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल हुए हैं। रूसी हमले में ऐसा पहली बार है कि यूक्रेन सरकार की मुख्य इमारतों को भी निशाना बनाया गया। दमकल कर्मी इन तमाम इमारतों की आग बुझाते हुए देखे गए और पूरे शहर में अफरातफरी का माहौल रहा। कीव पोस्ट के मुताबिक रूसी सेना ने दावा किया है कि यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणालियों ने 751 लक्ष्यों को रोका या निष्क्रिय किया, लेकिन मिसाइलों और ड्रोनों से देशभर में 37 स्थानों पर हमले किये गए, जिससे कई जगह आग लग गई। इन हमलों में कई आवासीय एवं प्रशासनिक इमारतें नष्ट हुई हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यह पहली बार है जब किसी सरकारी मुख्यालय पर हुए हमले में कैबिनेट भवन में आग लग गई। यूक्रेन के अधिकारियों का कहना है कि रूस की तरफ से रात भर ऐसे हमलों का सिलसिला जारी रहा। हमलों की शुरुआत ड्रोन से हुई, जो मिसाइल हमलों में बदल गई। रूस के इन हमलों के दौरान भारी दहशत और अफरातफरी की स्थिति देखी गई। देशभर में एयर अलर्ट बजाया गया और नागरिकों को तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया। फायर ब्रिगेड कर्मी और राहत दलों को मिसाइल और ड्रोन हमलों से जगह-जगह लगी आग को बुझाते देखा गया।

नेपाल में सोशल मीडिया साइट्स बंद करने के विरोध में संसद भवन के सामने 8 सितंबर से विरोध-प्रदर्शन

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, वाट्सएप जैसे 26 सोशल मीडिया साइट्स पर प्रतिबंध लगाने के विरोध में युवाओं में नाराजगी है। नई पीढ़ी ने काठमांडू में संसद भवन के सामने 8 सितंबर से विरोध-प्रदर्शन शुरू करने की घोषणा की है। सरकार के फैसले के विरोध में संसद भवन का घेराव के लिए युवाओं से आगे आने का आह्वान किया गया है।युवाओं ने दि फाइनल रिवोल्यूशनङ्कवीआर पंचिंग जैसे स्लोगन के जरिये युवा पीढ़ी से हजारों की संख्या में संसद भवन के सामने उपस्थित होने का आह्वान किया है, जिसे सोशल मीडिया पर काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। टिकटॉक पर हजारों व में शामिल होने के लिए अपनी हामी भर दी है।

नाइजीरिया में बोको हरम आतंकियों ने बर्बर हमले को दिया अंजाम, 63 लोगों की हत्या कर घरों में लगाई आग

अबुजा (नाइजीरिया), एजेंसी। नाइजीरिया में पूर्वोत्तर के एक गांव दारुल जमाल में बोको हरम के आतंकियों ने बड़ा हमला कर दर्जनों लोगों की हत्या कर दी। इस गांव में हाल ही में विस्थापितों को बसाया गया था।बोर्नो राज्य के गवर्नर बाबागाना जुलुम ने शनिवार देर शाम घटनास्थल का दौरा कर आतंकी हमले में 63 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की।हमले में बड़ी संख्या घायलों की है और काफी संख्या उन लोगों की है जो घटना में जान बचा कर भागने में सफल रहे।

डेली ट्रस्ट के मुताबिक, बोर्नो राज्य के दारुल जमाल में संदिग्ध बोको हरम आतंकवादियों ने दर्जनों नागरिकों और अज्ञात संख्या में सैनिकों की हत्या कर दी।हमले में काफी संख्या में लोग घायल हुए हैं। हमलावरों ने बर्बर तरीके से लोगों की हत्या की और घरों में आग लगा दी।हमले के दौरान काफी लोगों ने वहां से भाग कर जान बचाई। यह घटना शुक्रवार रात करीब 9 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुई। बोर्नो राज्य के गवर्नर बाबागाना उमरा जुलुम ने शनिवार को दारुल जमाल का दौरा किया और बोको हरम आतंकियों द्वारा मारे गए 63 लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

पीड़ितों में पाँच सैनिक और लगभग 58 नागरिक शामिल थे। ये सभी पहले विद्रोहियों द्वारा विस्थापित किए गए थे लेकिन दो महीने पहले दारुल जमाल लौट आए। राज्य के गवर्नर उमरा जुलुम ने घटना में 63 लोगों के मारे गए की पुष्टि करते हुए शोक संतप्त परिवारों को सांत्वना दी।उन्होंने समुदाय के नेताओं से मुलाकात कर कहा कि यह बहुत दुखद है। यह समुदाय कुछ महीने पहले ही बसा था और अपनी सामान्य गतिविधियाँ कर रहा था, लेकिन दुर्भाग्य से कल रात उन्हें बोको हरम के हमले का सामना करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि नाइजीरिया के स्थानीय जिहादियों ने साल 2009 में बोको हरम का गठन किया। इस संगठन का उद्देश्य पश्चिमी शिक्षा का विरोध करते हुए कट्टरपंथी इस्लामी व्यवस्था थोपना था। अपने इस उद्देश्य के लिए संगठन के आतंकियों ने दर्जनों बर्बर घटनाओं को अंजाम देकर दहशत फैला दी। साल 2021 में बोको हरम के कुख्यात नेता अबुबकर शेकाऊ के मरने के बाद संगठन दो हिस्सों में बंट गया। एक गुट इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़ा है और इसे इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (आईएसडब्ल्यूएपी) के नाम से जाना जाता है। यह गुट आमतौर पर सेना पर हमले करता है। दूसरा गुट जमातु अहलिस सुन्ना लिद्दावती वल-जिहाद (जेएएस) आम नागरिकों को निशाना बनाता है और फिरौती व लूटपाट की घटनाओं को अंजाम देता है।

यातायात पुलिस ने 32 वाहन चालकों से 28,600 जुर्माना वसूला, बिना हेलमेट और सीट बेल्ट वालों पर की कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शहर में रविवार शाम सम्राट चौराहे पर यातायात पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया। शाम 7 बजे पुलिस ने बाइक और चारपहिया वाहनों की जांच की। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 32 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। इनमें बिना हेलमेट चलाने वाले दोपहिया वाहन चालक और बिना सीट बेल्ट के चारपहिया वाहन चालक शामिल थे। सभी चालानों से कुल 28,600 रुपए का राजस्व वसूला गया।

नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी: थाना प्रभारी यातायात अभिषेक उपाध्याय ने बताया कि शहर में नियमित रूप से ऐसे अभियान चलाए जा रहे हैं। इनका मुख्य उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उपाध्याय ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग न करना है। अभियान के दौरान कुछ वाहन चालकों को समझाइश देकर चेतावनी के साथ छोड़ा गया। लेकिन बार-बार नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना लगाया गया।

इस कार्रवाई पर शहरवासियों की प्रतिक्रिया अलग-अलग रही। कुछ लोगों ने इसे सड़क सुरक्षा के लिए जरूरी बताया। वहीं कुछ लोगों ने जुर्माने की राशि को ज्यादा बताते हुए नाराजगी जताई।

जनहित स्व सहायता समूह दुलहरा द्वारा पशु विभाग को भेट की फ़िल्टर टंकी

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। रीवा जिले के जनहित स्व सहायता समूह दुलहरा ने अनुबंध कामधेनु गौशाला दुलहरा के सौजन्य से पीने के पानी हेतु एक फ़िल्टर टंकी पशु विभाग कार्यालय सिरमौर को भेंट की है। यह पहल न केवल पशु विभाग के कर्मचारियों के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि किसानों और अन्य लोगों के लिए भी अत्यंत लाभकारी है, जो पानी की कमी से जूझ रहे थे।

फ़िल्टर टंकी भेंट करने के अवसर पर डॉक्टर चारू शर्मा, डॉक्टर सुशील साकेत, रमेश सिंह, सुरेश सिंह, सुखेंद्र सिंह एवं दुर्गा कोल सहित अन्य उपस्थित लोगों ने इस नेक कार्य की प्रशंसा की। उन्होंने जनहित स्व सहायता समूह दुलहरा के अध्यक्ष गीता दाहिया और संचालक प्रेमलाल दाहिया को धन्यवाद प्रेषित किया।

संचालक प्रेमलाल दाहिया ने बताया कि पानी की टंकी नहीं होने से पशु विभाग में आने वाले लोगों और किसानों को पानी के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा, हमने यह महसूस किया कि किसानों और पशु विभाग के कर्मचारियों को स्वच्छ पानी की आवश्यकता है, इसलिए हमने यह फ़िल्टर टंकी भेंट करने का निर्णय लिया।

इस फ़िल्टर टंकी के माध्यम से साफ और स्वच्छ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। यह कदम जनहित स्व सहायता समूह दुलहरा की सामाजिक जिम्मेदारी को दर्शाता है और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास है।

40वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा आयोजित, मुख्य अतिथि बोले-दृष्टिदान जीवन का महान दान; विद्यार्थियों ने लिया जागरूकता का संकल्प

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जवाहर नवोदय स्कूल चुरहट में राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 40वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और शिक्षकों में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। स्कूल के प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी की अगुवाई में कार्यक्रम का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता निवारण समिति-भारत, सीधी के अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद पांडे मुख्य अतिथि रहे। सीडीएस सीधी के अध्यक्ष संजय कुमार बाजपेयी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। जिला विस्तार और माध्यमिक अधिकारी डॉ. ए.के. द्विवेदी ने नेत्रदान और नेत्र बैंक की कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने लोगों को नेत्रदान घोषणा पत्र भरने के लिए प्रेरित किया।

नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के का

संकल्प लिया: विद्यार्थियों ने समाज में नेत्रदान के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि ने नेत्रदान को जीवन का सबसे बड़ा दान बताया। उन्होंने कहा कि इससे किसी अंधे व्यक्ति को दृष्टि मिल सकती है।

कार्यक्रम का संचालन प्रभारी प्राचार्य सुबोध कुमार तिवारी ने किया। समापन पर डॉ. द्विवेदी ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में स्कूल के शिक्षक, कर्मचारी और छात्र-छात्राओं ने उत्साह से भाग लिया।

हर ग्राम पंचायत में बनेंगे सुव्यवस्थित एवं निर्बाध पहुँच वाले श्मशानघाट

5वें राज्य वित्त आयोग मद में प्राप्त राशि से होगा विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संकल्प के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में 5वें राज्य वित्त आयोग के अंतर्गत अधोसंरचना विकास अनुदान मद की राशि से प्रदेश में सुव्यवस्थित श्मशान घाटों का विकास किया जायेगा। श्मशान घाटों के विकास कार्यों के संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा दिशा-निर्देश जारी कर दिये गये हैं। सभी जिला कलेक्टर एवं जिला पंचायत के सीईओ को कार्यवाही करने के निर्देश दिए गये हैं।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन आमजन के लिये प्रत्येक ग्राम पंचायत मुख्यालय एवं प्रत्येक आश्रित ग्राम में वित्तीय वर्ष 2025-26 तक न्यूनतम एक सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सहज तथा बारहमासी निर्बाध पहुँच वाले श्मशान घाट की उपलब्धता के लिये प्रतिबद्ध है। ग्रामों में श्मशान घाटों के विकास के लिये त्रिस्तरीय पंचायत राज प्रशासन से न्यूनतम आधारभूत सुविधाएँ उपलब्ध कराये जाने की अपेक्षा की गई है। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक ग्राम में ष्श्मशान मदष् के लिये आवश्यक भूमि आरक्षित हो। आरक्षित भूमि की संपूर्ण रूप से फेंसिंग की गई हो। स्थल पर पहुँचने के लिये साल के बारहों महीने निर्बाध एवं सहज पहुँच मार्ग उपलब्ध हो। श्मशान मद में आरक्षित भूमि अतिक्रमण से मुक्त हो।

इन मापदण्डों की अनुपलब्धता की स्थिति में प्रत्येक ग्राम पंचायत को राजस्व अभिलेखों से यह ज्ञात करना होगा कि ग्राम पंचायत के किस ग्राम में पहले से श्मशान घाट के लिये भूमि आरक्षित होकर श्मशान घाट है और किस ग्राम में नहीं है। प्रत्येक ग्राम पंचायत को प्रत्येक ग्राम में, जिसमें श्मशान के लिये भूमि उपलब्ध नहीं है, आवश्यक उपयुक्त भूमि आरक्षित कराने के लिये मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता के अंतर्गत संबंधित जिला कलेक्टर को आवेदन कर भूमि आरक्षित करानी होगी। जहां पहले से श्मशान घाट है और आरक्षित भूमि की यदि समुचित फेंसिंग नहीं है, तो उस भूमि की फेंसिंग प्रमुख अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा तैयार किये गये मानकों के आधार पर कराई जाये। चेन लिंक के लिये प्राक्कलन के अनुसार अथवा स्थानीय बोल्डरों, पत्थरों से निर्मित खखरी के द्वारा की जा सकेगी। श्मशान घाट तक निरापद रूप से पहुँचने के लिये समुचित मार्ग उपलब्ध नहीं हो अथवा मार्गों में पुलिया/रपटा नहीं होने के कारण बरसात के दिनों में आवागमन दुष्कर होता है, ऐसे स्थलों पर निर्बाध पहुँच के लिये आवश्यकतानुसार समीपवर्ती मार्ग से श्मशान स्थल तक 3.75 मीटर (लगभग) चौड़ाई की सी.सी. रोड और यथाआवश्यक पुलिया/रपटा भी बनाया जाये। आवश्यक भूमि की अनुपलब्धता की स्थिति में जिला कलेक्टर से निर्धारित प्रक्रिया से मार्ग निर्धारण कराये जाने की कार्यवाही की जाये। श्मशान घाट के लिये पूर्व से आरक्षित भूमि पर यदि किसी भी प्रकार का अतिक्रमण है तो संबंधित सीईओ जिला पंचायत द्वारा राजस्व एवं पंचायत अमले के सहयोग से तत्काल अतिक्रमण हटाये जाने की कार्यवाही करायी जाकर आरक्षित भूमि पर फेंसिंग की जाये।

ये समस्त कार्य ग्राम पंचायतों को 5वें राज्य वित्त आयोग अंतर्गत अधोसंरचना विकास अनुदान मद के तहत प्रदाय की जाने वाली राशि से किये जायेंगे।

मध्यप्रदेश कौशल प्रतियोगिता 2025 के लिए आवेदन आमंत्रित, अंतिम तिथि 30

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रदेश में म.प्र. कौशल प्रतियोगिता-2025 का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 63 प्रकार की विभिन्न स्किल में प्रतियोगिता का आयोजन पंजीयन के आधार पर जिला, संभाग एवं राज्य स्तर पर किया जावेगा। विश्व कौशल अंतर्राष्ट्रीय चौरिटी द्वारा प्रत्येक दो साल में विश्व की सबसे बड़ी कौशल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। आगामी प्रतियोगिता सितंबर 2026 में संघाई चाइना में होना निर्धारित है। उक्त अन्तर्राष्ट्रीय कौशल प्रतियोगिता हेतु प्रतिभागियों का चयन प्रथम स्तर पर मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार निर्माण बोर्ड द्वारा आयोजित राज्य कौशल प्रतियोगिता और द्वितीय स्तर पर कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय एवं नेशनल स्किल डेवलवमेन्ट कॉर्पोरेशन नई दिल्ली द्वारा आयोजित इंडिया स्किल प्रतियोगिता-2025 द्वारा किया जावेगा। आगामी आयोजित होने वाली प्रतियोगिता हेतु एसआईडीएच पोर्टल पर पंजीयन प्रक्रिया जारी है।

पंजीयन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2025 है, यह पंजीयन पूर्णतः निःशुल्क है। इस प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु किसी भी प्रकार की शैक्षणिक योग्यता की आवश्यकता नहीं है। पंजीयन हेतु केवल आयु सीमा की बाध्यता है (16 से 22 वर्ष एवं कुछ स्किल्स में 25 वर्ष है)। इच्छुक अभ्यर्थी एसआईडीएच पोर्टल पर अपना पंजीयन कर सकते है। पंजीयन या अन्य जानकारी हेतु नजदीकी आईटीआई से संपर्क किया जा सकता है।

मनगवां पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के दो अलग-अलग मामलों में फरार 13 हजार रुपये के ईनामी आरोपी को किया गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मनगवा थाना प्रभारी निरीक्षक गाजेन्द्र सिंह धाकड़ के अथक प्रयासों से एनडीपीएस एक्ट के दो अलग-अलग मामलों में फरार चल रहे 13 हजार रुपये के इनामी आरोपी नितिन उर्फ मिट्ठू गुप्ता, पिता संगम लाल गुप्ता, उम्र 32 वर्ष, निवासी ग्राम मेथौरी थाना मनगवां, जिला रीवा, मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया। थाना मनगवां के अप.क्र. 545/2024 धारा 8, 21, 22, 25 एनडीपीएस एक्ट और 5/13 औ.निय. अधि. तथा अप.क्र. 546/2024 धारा 8, 21, 22, 25 5/13 औ.निय. अधि. के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने आरोपी को पकड़ने के लिए थाना स्तर पर एक टीम गठित की। इस टीम ने ग्राम खैरहनी, भीतरी थाना रामनगर, जिला मैहर में जाकर काफी प्रयासों के बाद आरोपी नितिन गुप्ता को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कई दिनों से प्रयास किए जा रहे थे, और अंततः उन्हें सफलता मिली।

गिरफ्तारी के बाद, आरोपी को आवश्यक कागजी कार्यवाही के बाद न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से ही कई मामले दर्ज हैं, और उसकी गिरफ्तारी से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बनाए रखने में मदद मिलेगी। उक्त कार्यवाही में थाना निरीक्षक गजेन्द्र सिंह धाकड़, सउनि. सियाशरण रावत, प्रआर. 984 जय सिंह, प्रआर. 559 बलराम पासी, प्रआर. 713 आशीष सिंह, आर. 401 अमरीश सिंह, और आर. 994 की सराहनीय भूमिका रही। इन सभी अधिकारियों ने मिलकर इस मामले को सुलझाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

नहर निर्माण हेतु अर्जित भूमि के अवैध अतिक्रमण पर प्रशासन द्वारा नहीं की जा रही कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। त्योंथर तहसील अंतर्गत ग्राम त्योंथर के खसरा क्रमांक 19/2, जिसका रकबा 405 आरे है, को नहर निर्माण हेतु जल संसाधन विभाग द्वारा अर्जित किया गया था। इस भूमि के कुछ भाग में नहर बनाई गई है, लेकिन बाकी हिस्से पर कई वर्षों से अतिक्रमण किया गया है। ग्रामीणों ने इस समस्या को लेकर कई बार आरआई, तहसीलदार और एसडीएम को आवेदन दिया है, जिसमें उन्होंने जांच कर कार्यवाही करने की मांग की है। लेकिन आज दिनांक तक प्रशासन द्वारा अतिक्रमण को हटाने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया है।

जानकारी के अनुसार, विभाग द्वारा अधिग्रहण सिंचाई योजना के अंतर्गत 2008 में 46 आरे और वर्ष 2011 में 359 आरे की कुल राशि का भुगतान किया गया था, जिसके कारण अब भूस्वामी के पास कोई भी भूमि शेष नहीं है। हालांकि, राजस्व विभाग के द्वारा उक्त खसरे नंबर को भूस्वामी के खसरे से नाम को नहीं काटा गया है, जो आज भी उसी भूस्वामी के नाम पर दिखाई दे रहा है।

इस स्थिति के कारण भूस्वामी उक्त जल संसाधन विभाग की जमीन को अपना अधिकार समझकर अतिक्रमण कर रहे हैं। शिकायत पर अनुविभागीय अधिकारी का पत्र क्रमांक 384 और

415 द्वारा 05/09/2022 को तहसीलदार त्योंथर को लिखा गया था कि जांच कर कार्यवाही की जाए, लेकिन अतिक्रमण को लेकर राजस्व विभाग के द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन ने समय पर कार्रवाई नहीं की, तो यह स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से अपील की है कि वे इस मामले को गंभीरता से लें और अतिक्रमण हटाने के लिए ठोस कदम उठाएं।

मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना अंतर्गत झींगा पालन हेतु आवेदन आमंत्रित, अंतिम तिथि 10

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सहायक संचालक मत्स्योद्योग ने जानकारी देकर बताया है कि मुख्यमंत्री मछुआ समृद्धि योजना अंतर्गत सीधी जिले में नवाचार के रूप में झींगा पालन की गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु संचालनालय मत्स्योद्योग मध्यप्रदेश, भोपाल से भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

उन्होने बताया कि ऐसे व्यक्तिगत मत्स्यपालक/स्व-सहायता समूह/मछुआ सहकारी समितियां जो शासकीय ग्रामीण तालाबों को मत्स्य पालन हेतु 10 वर्षीय पट्टे पर लेकर मत्स्य पालन का कार्य कर रहे हैं तथा प्रशिक्षण प्राप्त कर ग्रामीण तालाबों में झींगा पालन का कार्य करने हेतु इच्छुक हैं अपना आवेदन 10 सितम्बर तक कार्यालय सहायक संचालक मत्स्योद्योग जिला-सीधी (वीथिका परिसर, कलेक्ट्रेट के सामने) में कार्यालयीन समय में जमा कर सकते हैं। योजना का लाभ पहले आओ पहले पाओ के आधार पर शासन द्वारा आवंटित लक्ष्यों के अनुरूप प्राप्त होगा। अधिक जानकारी के लिए दूरभाष नंबर 8889026748/7692001789 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

जिले में औसत वर्षा 1165.5 मि.मी. दर्ज

सीधी। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 07 सितम्बर को सीधी जिले में 4.0 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 5.0 मि.मी., चुरहट 0.0 मि.मी., गोपद बनास में 17.4 मि.मी., सिहावल में 3.0 मि.मी., बहरी में 2.4 मि.मी., मझौली में 0.0 मि.मी. और कुसमी में 0.0 मि.मी. वर्षा हुई है। उल्लेखनीय है कि जिले में अब तक 1165.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। 01 जून से 07 सितम्बर तक तहसील बहरी में सर्वाधिक वर्षा 1277.5 मि.मी. दर्ज की गई है। तहसील रामपुर नैकिन में 925.5, चुरहट में 1078.0, गोपद बनास में 1265.6, सिहावल में 1201.6 मि.मी., मझौली में 1252.0 मि.मी. और कुसमी में 1158.0 मि.मी. औसत वर्षा हुई है जबकि गतवर्ष इसी अवधि में जिले में 1110.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई थी।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में 40 वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा का आयोजन संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत भारत सरकार व मध्य प्रदेश शासन से जारी दिशा निर्देश अनुसार 6 सितंबर को डॉ डी के त्रिपाठी प्राचार्य पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट जिला सीधी के मार्गदर्शन में 40 वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालय के शिक्षक, स्टाफ व छात्र-छात्राओं में नेत्रदान के प्रति जागरूकता विकसित करना रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महेंद्र प्रसाद पांडे अध्यक्ष राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता निवारण समिति - भारत सीधी, विशिष्ट अतिथि संजय कुमार बाजपेयी अध्यक्ष सीडीएस सीधी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन सुबोध कुमार तिवारी प्रभारी प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट द्वारा किया गया। नेत्रदान के आवश्यकता, महत्व एवं नेत्र बैंक के कार्य प्रणाली पर विस्तृत जानकारी डॉ ए के द्विवेदी जिला विस्तार एवं माध्यमिक अधिकारी सीधी के द्वारा दी गई। नेत्रदान घोषणा पत्र भराए जाने पर भी लोगों को प्रोत्साहित एवं उत्साहित किया गया। जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के समस्त शिक्षक गण स्टाफ व छात्र-छात्राओं के द्वारा राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े में विशेष उत्साह के साथ भाग लेकर नेत्र दान के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी। महेंद्र प्रसाद पांडे अध्यक्ष राष्ट्रीय दृष्टिविहीनता निवारण समिति- भारत, संजय कुमार बाजपेयी अध्यक्ष सी डी एस सीधी, सुबोध कुमार तिवारी प्रभारी प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के द्वारा नेत्रदान के प्रति अपना सारगर्वित उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु डॉ ए के द्विवेदी जिला विस्तार एवं मध्यम अधिकारी सीधी द्वारा पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट के प्राचार्य डॉ डी के त्रिपाठी, प्रभारी प्राचार्य सुबोध कुमार तिवारी, समस्त शिक्षक गण, सहयोगी स्टाफ एवं सभी छात्र-छात्राओं के सहयोग एवं उत्साह के प्रति गहरा हार्दिक आभार व्यक्त किया गया है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया अग्रसेन चौक स्थापना दिवस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समाज सेवा के कार्य में रीवा की अग्रणी संस्था अग्रवाल समाज रीवा द्वारा श्री श्री 1008 महाराजाधिराज अग्रसेन जयंती महोत्सव 2025 का शुभारंभ अग्रसेन चौक स्थापना दिवस 7 सितंबर दिन रविवार सुबह 10बजे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल के निज सचिव राजीव तिवारी एवं अग्रवाल समाज अध्यक्ष एड.सुनील अग्रवाल द्वारा अग्रसेन जी की प्रतिमा में माल्यार्पण, पूजन के साथ शुरू की गई।साथ ही समाज के सभी अग्रबन्धुओं ने अग्रसेन जी की महाआरती गाकर अपनी श्रद्धा प्रकट की। अग्रसेन जी का समाजवाद एक रुपया, एक ईंट, जय अग्रसेन, जय अग्रवंश,जय अग्रोहा के गगनभेदी नारों से चौक गुंजायमान हुआ। तत्पश्चात प्रसाद स्वरूप फ़ल वितरण का कार्य किया गया।

पीछे क्यों लौटना

संपादकीय

कर्नाटक सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब स्थानीय निकाय चुनाव ईवीएम से नहीं होंगे। चुनाव बैलेट पेपर से कराए जाएंगे। विपक्ष ईवीएम पर सवाल उठा रहा है। विपक्ष और चुनाव आयोग के बीच भरोसा कम है। कर्नाटक सरकार ने स्थानीय निकाय चुनाव EVM के बजाय बैलेट पेपर से कराने का फैसला किया है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का कहना है कि लोकल बॉडी इलेक्शन कैसे कराना है, यह अधिकार राज्य का होता है। हालांकि यहां सवाल अधिकार से ज्यादा प्रक्रिया पर है। कांग्रेस की अगुआई में विपक्ष ने जिस तरह से EVM और चुनाव आयोग पर निशाना साधा है, उसे देखते हुए कर्नाटक सरकार के इस फैसले के राजनीतिक अर्थ निकाले जा सकते हैं।

विपक्ष की शिकायत- चुनाव आयोग और विपक्ष के बीच भरोसा इस समय सबसे निचले स्तर पर है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर विपक्षी दल हमेशा से संदेह जताते रहे हैं, लेकिन अब बात इलेक्शन कमिशन की विश्वसनीयता तक पहुंच गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले दिनों आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र, हरियाणा और मध्य प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों से लेकर लोकसभा इलेक्शन तक, बड़े स्तर पर धांधली हुई। चुनावों के ऐन पहले बड़े पैमाने पर नए नाम जोड़े और काटे गए, जिसका फायदा BJP को मिला। उन्होंने जिन जगहों पर गड़बड़ी की आशंका जताई थी, उनमें कर्नाटक की बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट के तहत आने वाला महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र भी था।

पारदर्शिता की गारंटी नहीं- कर्नाटक सरकार का कहना है कि EVM की प्रमाणिकता खत्म हो चुकी है। अगर वाकई ऐसा है, तो भी बैलेट पेपर खोए भरोसे को वापस लाने की गारंटी नहीं। देश में जब चुनाव मतपत्रों के जरिये होते थे, तब भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की शिकायतें आती थीं। इसके अलावा, पूरी चुनावी प्रक्रिया बेहद लंबी, थकाऊ और खर्चीली हो जाती थी। EVM ने इस काम को आसान बना दिया है।

टेक्नॉलजी जरूरी- अगर कोई संदेह है, तो उसका हल टेक्नॉलजी से किनारा करके नहीं मिल सकता। इसमें प्रशासनिक मशीनरी के लिए व्यावहारिक चुनौतियां भी हैं। बैलेट पेपर पर लौटने की मांग सुप्रीम कोर्ट भी पिछले साल खारिज कर चुका है। हालांकि शीर्ष अदालत ने दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले उम्मीदवारों के लिए यह रास्ता खोला था कि परिणाम से असंतुष्ट रहने की सूरत में वे प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की 5% EVM की माइक्रोकंट्रोलर चिप का वेरिफिकेशन कर सकते हैं।

संदेह से मुक्त हो- कर्नाटक के निकाय चुनावों को एक प्रयोग मान सकते हैं, जिसके सबक आगे काम आएंगे। लोकतंत्र की बुनियाद निष्पक्ष, स्वतंत्र और विश्वसनीय चुनावों पर टिकी है। अगर कहीं कोई सवाल, कोई शक है, तो उसका उपाय खुली बहस और पारदर्शिता से निकाला जाना चाहिए। हर सिस्टम में सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। EVM के मामले में भी चुनाव आयोग को सोचना चाहिए कि किस तरह इसे आरोप मुक्त किया जा सकता है। इसके लिए सरकार, विपक्ष और आयोग - सभी को मिलकर काम करना होगा।

महातीर्थस्थल : तीर्थराज गया

(पं. शिवप्रसाद पाठक - विभूति फीचर्स)

गया का नाम आते ही हिंदुओं तथा बौद्धों का नतमस्तक होना स्वाभाविक है। श्राद्ध के लिए गया सर्वश्रेष्ठ स्थान है जहां तर्पण के पश्चात् आत्मा को इहलौकिक मुक्ति प्राप्त होती है। गया श्राद्ध बिना आत्मा की मुक्ति नहीं होती। गया में श्राद्ध के लिए मुंडन अथवा समय सीमा की अनिवार्यता नहीं है। अग्नि पुराण में कहा गया है कि गया में किसी भी दिन श्राद्ध किया जा सकता है।

गया तीर्थ कथा

अस्तावि जानो दिव्यो गयेन। दैवी पुरोहित गय द्वारा प्रशंसित हुए ऋग्वेद के इस सूक्त से ज्ञात होता है कि गय ऋग्वेद के ऋषि थे। अर्थवेद में गयासुर नाम कपाल ऐन्द्रजालिक का उल्लेख है। वायुपुराण तथा अग्निपुराण में गयासुर गाथा है कि गयासुर ने सहस्त्रों वर्षों तक घोर तप किया। जिससे घबराकर देवता ब्रह्माजी के पास गये। ब्रह्मा शिव तथा देवों ने विष्णु की स्तुति की। भगवान विष्णु ने प्रकट होकर कहा सभी देवता अपने-अपने वाहन से गयासुर के पास चलें। भगवान विष्णु ने गयापुर से तप का कारण जानने पर गयासुर ने कहा वह देवों ऋषियों सन्यासियों से अधिक पवित्र हो जाए। देव महादेव तथास्तु कह कर चले गए। फिर भी जो भी गयासुर को छूता पवित्र होकर स्वर्ग चला जाता। शनैः शनैः यमलोक रिक्त होने लगा। यम ब्रह्माजी से मिले। ब्रह्मा, विष्णु के पास गए।

विष्णुजी ने ब्रह्माजी से कहा कि वे गयासुर के शरीर को यज्ञ स्थल हेतु मांगे। गयासुर तैयार हो गया। वह दक्षिण पश्चिम दिशा में पृथ्वी पर गिर गया। सिर कोलाहल पर्वत पर और पैर दक्षिण की ओर हो गये। ऋत्विजों ने यज्ञारंभ किया। शरीर स्थिर नहीं होने से ब्रह्माजी ने यम से गयासुर के सिर पर शिला रखने को कहा। पर सिर तथा शिला साथ-साथ हिलने लगे। तब विष्णुजी ने अपनी मूर्ति शिला पर रखी फिर भी शिला हिलती रही। तब विष्णु तीन रूपों में, ब्रह्मा पांच रूपों में गणेश हाथी के रूप में, सूर्य तीन रूपों में, लक्ष्मीजी मंगला और गायत्री सरस्वती के रूप में बैठ गई। हरि ने गदा प्रहार से गयासुर को स्थिर कर दिया। गयासुर ने कहा मैं प्रवंचित क्यों किया गया हूं। मैंने ब्रह्म यज्ञ के लिए शरीर दिया है। मैं विष्णु शब्द से स्थिर हो जाता फिर मुझ पर गदा प्रहार क्यों ? देवों ने उससे वर मांगने कहा तो उसने वर मांगा जब तक पृथ्वी, पर्वत, सूर्य, चन्द्र एवं तारे रहें तब तक ब्रह्मा, विष्णु, शिव एवं अन्य देव इस शिला पर रहें। तीर्थ मेरे नाम पर रहे सभी तीर्थ मध्य में केन्द्रित हों। देवों ने तथास्तु कहा, वर दिया। ब्रह्मा ने गया नगर, 77 गांव, आवास, कल्पवृक्ष, कामधेनु, दुग्ध नदी, सोने का कूप आदि सभी व्यवस्था कर दी ताकि ब्राह्मण किसी से कुछ न मांगे। लोभी ब्राह्मणों ने यज्ञ किया और दक्षिणा मांगी।

ब्रह्मा ने शाप देकर सभी कुछ छीन लिया। ब्राह्मणों ने क्षमा मांगी तो ब्रह्माजी ने उनकी जीविका के लिए कहा कि वे गया यात्रियों के दान पर जियेंगे और जो उन्हें सम्मानित करेंगे वे मानों ब्रह्माजी को सम्मानित करेंगे।

श्राद्ध की महिमा- महाभारत में कहा गया है व्यक्ति को बहुत से पुत्रों की कामना करना चाहिए,यदि उनमें से एक भी गया जाता है या अश्वमेघ यज्ञ करता है तो पितृगण तृप्त हो जाते हैं। गया में पिता तथा अन्यों को पिण्ड देना चाहिए। गया में स्वयं को भी पिण्ड दिया जा सकता है। गया में श्राद्ध करने से सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। गया को छोड़कर सभी तीर्थों में उपवास तथा मुण्डन करना चाहिए किंतु गया में आवश्यकता नहीं है। गया में वैतरणी नदी (फल्गु) है जिसमें स्नान गोदान से पीढ़ियों की रक्षा होती है।

गया में प्रमुख तीर्थ -गया पवित्रतम क्षेत्र है यहां तीर्थों की संख्या लम्बी-चौड़ी है। यात्रियों को फल्गु नदी, विष्णुपद, अक्षयवट अनिवार्य रूप से जाना चाहिए। यहां दूध, जल, फूल , चंदन, तांबूल दीप से पूजा की जाती है। फल्गु नदी के पश्चिम की ओर विष्णु पद मन्दिर है। जहां विष्णु के पदचिन्ह अष्टकोण में विद्यमान हैं।

तीर्थ की विशेषताएं - गया में गयावाल ब्राह्मणों को ही पूजना पड़ता है अन्य ब्राह्मण को नहीं भले ही वे कितने विज्ञ कुलीन हों। जबकि गयावाल ब्राह्मण के कुल चरित्र पर विचार नहीं किया जाता। गया श्राद्ध के पश्चात् कहीं भी पिण्डदान की आवश्यकता नहीं रह जाती।

महाबोधि वृक्ष- गया क्षेत्र की सीमा महाबोधिवृक्ष तक हैं जहां भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था। शिष्यों ने उन्हें भगवान कहा किन्तु उन्होंने ज्ञान प्राप्ति के दिन शिष्यों से कहा जहां मैं जाना चाहता था आ गया हूं अर्थात् तथागत। इस प्रकार आत्मबोधि स्थल गया की यात्रा मोक्षदायी है। (विभूति फीचर्स)

बाढ़ का विनाशकारी रूप, ठोस कदम उठाने जरूरी

संजय गुप्त।

इस वर्ष उत्तर और पश्चिम भारत में जिस तरह अधिक वर्षा हुई और अभी भी हो रही है, उसने कई राज्यों को बाढ़ की भयावह स्थिति में धकेल दिया है। आम तौर पर बाढ़ की विभीषिका उत्तर-पूर्वी राज्यों और बिहार में देखने को मिलती है, क्योंकि ये इलाके पारंपरिक रूप से नदियों के उफान के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस बार अलग स्थिति देखने को मिल रही है।

उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर जैसे पर्वतीय राज्यों के साथ-साथ पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र तक बाढ़ के प्रकोप का सामना कर रहे हैं। दिल्ली भी बाढ़ की समस्या से त्रस्त है और पंजाब में तो बाढ़ का इतना विकराल रूप दिखाई दे रहा है, जितना हाल के समय में पहले कभी नहीं देखा गया। इसे केवल एक प्राकृतिक आपदा नहीं कहा जा सकता, बल्कि यह बदलते मौसम चक्र और सरकारी तंत्र के साथ आम लोगों की अनदेखी का भी परिणाम है।

पर्वतीय राज्यों में अधिक बारिश के कारण नदियां उफान पर आ गई। इन राज्यों में बारिश का असर हमेशा से अधिक होता है, क्योंकि यहां की भौगोलिक स्थिति नाजुक है। ढलानों पर बसे गांव और कस्बे थोड़ी सी तेज बारिश में भी खतरे में आ जाते हैं। इस बार हालात और गंभीर हो गए, क्योंकि बादल फटने जैसी घटनाओं ने तबाही को और बढ़ा दिया।

उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में कई स्थानों पर पुल बह गए, सड़कें टूट गई और घर क्षतिग्रस्त हो गए। जान-माल की अच्छी-खासी क्षति भी हुई। पर्वतीय क्षेत्रों में इस तबाही के साथ मैदानी इलाकों में भी बाढ़ ने कहर ढाया। पंजाब और हरियाणा में नदियों में पानी का स्तर अचानक बढ़ गया और बांधों में जमा पानी छोड़ना पड़ा। इससे बड़ी आबादी वाले कई जिलों में बाढ़ का पानी घुस गया और अनेक स्थानों पर त्राहिमाम की स्थिति बन गई। पंजाब की स्थिति विशेष रूप से चिंताजनक है। यह राज्य बाढ़ के लिए जाना नहीं जाता। यहां इतनी अधिक वर्षा हुई कि पिछले 25 साल का रिकार्ड टूट गया। खेती प्रधान इस राज्य में हजारों एकड़ खेत जलमग्न हो गए, जिससे फसलें चौपट हो गई और किसानों की मेहनत पर पानी फिर गया। यह केवल आर्थिक संकट नहीं है, बल्कि सामाजिक और मानवीय संकट भी है, क्योंकि खेतों पर निर्भर लाखों परिवारों की आजीविका प्रभावित हुई।

मौसम विज्ञानियों का कहना है कि इस बार उत्तर-पश्चिम और पूर्व की हवाएं असामान्य रूप से सक्रिय हो गई, जिसके कारण इतनी भारी बारिश हुई। जलवायु परिवर्तन विशेषज्ञ लंबे समय से आगाह कर रहे हैं कि मौसम का चक्र अब स्थिर नहीं रहने वाला। कभी बहुत कम बारिश होगी, तो कभी सामान्य से कई गुना अधिक और वह भी कम समय में। इस बार हम यही देख रहे हैं। यह सही है कि अतीत में भी भारत में कभी-कभी भारी वर्षा हुई है, लेकिन आज की स्थिति अलग है, क्योंकि अब हमारी आबादी अधिक है, शहरीकरण तेज है और बुनियादी ढांचा पर्याप्त मजबूत नहीं है। इसी कारण तबाही का दायरा अधिक दिख रहा है।

भारत में बाढ़ की समस्या केवल प्राकृतिक नहीं है। मानवीय कारण भी इसके लिए जिम्मेदार हैं। नदियों और नालों पर अतिक्रमण आम हो गया है। कई जगह पूरे मोहल्ले नदी किनारे बसा दिए गए हैं। यहां तक कि नालों को पाटकर भवन खड़े कर दिए जाते हैं। दिल्ली और मुंबई जैसे बड़े शहर भी इससे अछूते नहीं हैं। नतीजा यह है कि बारिश के दिनों में थोड़ी सी वर्षा भी जलभराव का कारण बन जाती है। सड़कें घंटों जाम रहती हैं और सामान्य जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। लोग समय से काम पर नहीं पहुंच पाते। यह भी एक तरह का नुकसान ही है। इस समस्या का एक और पहलू है शहरों का सीवेज सिस्टम।

अधिकांश शहरों में सीवेज सिस्टम खराब है। सीवेज की गंदगी नालों के माध्यम से सीधे नदियों में पहुंच जाती है और गाद की मात्रा बढ़ा देती है। इससे नदियां उथली हो जाती हैं और बरसात में जल्दी उफन जाती हैं। गाद हटाने का काम नियमित और गंभीरता से नहीं किया जाता, बल्कि अक्सर इसे खानापूरी तक ही सीमित रखा जाता है। इसके अलावा भवन निर्माण और सड़क निर्माण में भी मानकों की अनदेखी की जाती है। आधारभूत ढांचे के निर्माण में खराब इंजीनियरिंग और भ्रष्टाचार ने बुनियादी ढांचे को कमजोर बना दिया है।

यही वजह है कि भारी वर्षा को सहने में हमारे शहर सक्षम नहीं हो पाते। यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत एशिया के जिस भूभाग में स्थित है, वहां हिमालय से निकलने वाली नदियां बालू और गाद अपने साथ लाती हैं। मैदानी इलाकों में पहुंचकर ये नदियां और उथली हो जाती हैं। इसे देखते हुए और भी सावधानी बरतने की आवश्यकता है। स्पष्ट है कि केवल जलवायु परिवर्तन को दोष देकर सरकारें अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकतीं। उन्हें अपने हिस्से की जिम्मेदारी भी निभानी होगी। इससे इन्कार नहीं कि बदलता मौसम चक्र एक चुनौती है, लेकिन उससे निपटा जा सकता है, यदि दूरदर्शी नीतियों और ठोस योजनाओं पर सही तरह अमल किया जाए। यदि भवन निर्माण के मानकों को नियंत्रित किया जाए, नदियों और नालों पर अतिक्रमण रोका जाए, सीवेज और जल निकासी की व्यवस्था सुधारी जाए, तो बाढ़ की तबाही काफी हद तक कम की जा सकती है।

भारत को हर वर्ष बाढ़ की विभीषिका से बचाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर काम करना होगा। अल्पकालिक उपायों से समस्या हल नहीं होगी। दीर्घकालिक योजनाओं की जरूरत है। इसमें नदियों की गाद हटाने का काम ईमानदारी से करना होगा, जल निकासी के लिए आधुनिक तंत्र विकसित करना होगा और आधारभूत ढांचे का निर्माण तय मानकों के अनुसार करना होगा। यह भी सुनिश्चित करना होगा कि शहरों में तेजी से बढ़ती आबादी के घनत्व को ध्यान में रखते हुए योजनाएं बनाई जाएं। यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में जलवायु परिवर्तन और शहरी अव्यवस्था का असर और भी विनाशकारी रूप में दिखाई पड़ सकता है। इससे होने वाला नुकसान देश की प्रगति में बाधक बनेगा ही और इसके नतीजे में विकसित भारत के सपने को सही तरह पूरा करना कठिन होगा।

भारत की चिप क्रांति : सपनों से साकार होती हकीकत

भारत आज उस ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा है जहाँ तकनीकी आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक प्रगति का साधन नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गर्व और वैश्विक नेतृत्व की दिशा भी बन गई है। दशकों तक चिप और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में केवल उपभोक्ता के रूप में पहचाने जाने वाला भारत अब निर्माता और आपूर्तिकर्ता बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि आत्मविश्वास और आत्मगौरव का भी प्रतीक है। सेमीकंडक्टर मिशन, वैश्विक सहयोग, और शिक्षा व अनुसंधान में निवेश ने भारत की चिप क्रांति को साकार रूप दिया है।

डॉ सत्यवान सौरभ

भारत ने सेमीकंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए विश्व स्तर पर अपनी तकनीकी पहचान बनाई है। गुजरात और कर्नाटक में चिप पार्क, विदेशी निवेश और शिक्षा संस्थानों की सक्रिय भागीदारी ने इस अभियान को गति दी है। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन 2025 में भारत ने सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभों पर बल देकर तकनीक को साझा भविष्य का आधार बताया। यह चिप क्रांति न केवल आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, नवाचार और आत्मगौरव की नई उड़ान भी भर रही है।

भारत आज उस ऐतिहासिक दौर से गुजर रहा है जहाँ सपने केवल सपने नहीं रह गए हैं, बल्कि नये यथार्थ का रूप ले चुके हैं। दशकों तक जिस देश को तकनीक के क्षेत्र में उपभोक्ता भर समझा जाता था, वही देश आज निर्माता, आपूर्तिकर्ता और नवप्रवर्तक बनने की राह पर तेज़ी से बढ़ रहा है। सेमीकंडक्टर और चिप निर्माण की दिशा में भारत के प्रयास इसी परिवर्तन की सबसे सशक्त गवाही देते हैं। यह केवल तकनीकी विकास का संकेत नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय आत्मगौरव, आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास की उड़ान भी है।

चिप अथवा सेमीकंडक्टर आज के युग की सबसे अनिवार्य धुरी है। बीसवीं शताब्दी में तेल ने जैसे विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था को संचालित किया था, उसी प्रकार इक्कीसवीं शताब्दी में चिप वैश्विक शक्ति संतुलन का आधार बन चुकी है। आधुनिक जीवन का कोई भी क्षेत्र इससे अछूता नहीं है। मोबाइल फ़ोन, कंप्यूटर, स्मार्ट यंत्र, वाहन, रेल, हवाई जहाज़, रक्षा उपकरण, उपग्रह, स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नत यंत्र, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोट तक– हर क्षेत्र में चिप की अनिवार्यता स्पष्ट दिखाई देती है। इसीलिए जो राष्ट्र इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर और सशक्त है, वही आने वाले समय में विश्व की राजनीति और अर्थव्यवस्था में निर्णायक भूमिका निभाएगा।

भारत की स्थिति लंबे समय तक इस क्षेत्र में कमजोर रही। भारी पूंजी निवेश, लगातार ऊर्जा और जल संसाधनों की आवश्यकता, प्रशिक्षित मानव संसाधन की कमी और अनुसंधान की उपेक्षा जैसे कारणों से भारत पिछड़ता रहा। चीन, ताइवान, अमेरिका और कोरिया जैसे देशों ने इस स्थिति का लाभ उठाकर वैश्विक बाज़ार पर प्रभुत्व कायम किया और भारत को केवल एक विशाल उपभोक्ता बाज़ार के रूप में देखा जाने लगा। किन्तु राष्ट्रों के जीवन में भी ऐसे क्षण आते हैं जब परिस्थितियाँ बदली हुई राह पर चलने को बाध्य करती हैं। भारत के लिए भी यही अवसर बीते कुछ वर्षों में आया और उसने चुनौती को अवसर में बदलने का संकल्प लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारम्भ हुए 'डिजिटल इंडिया', 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' जैसे अभियानों ने तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में नया उत्साह जगाया। इन अभियानों ने यह संदेश दिया कि भारत अब केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि निर्माता भी बनेगा। वर्ष 2021 में घोषित भारत सेमीकंडक्टर मिशन ने इस संकल्प को ठोस आधार प्रदान किया। इसके अंतर्गत गुजरात और कर्नाटक में चिप निर्माण पार्क स्थापित करने की दिशा में कार्य प्रारम्भ हुआ। ताइवान, जापान और अमेरिका की कंपनियों ने भारत में निवेश और सहयोग की इच्छा प्रकट की। अरबों डॉलर के निवेश प्रस्ताव आए और अनुसंधान संस्थानों को सीधे इस अभियान से जोड़ा गया।

कोविड महामारी ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की कमजोरियों को उजागर कर दिया। जब चीन और ताइवान के कारखाने ठप पड़े तो पूरी दुनिया में मोबाइल, वाहन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का संकट खड़ा हो गया। कीमतें बढ़ीं, उत्पादन ठप हुआ और उपभोक्ताओं को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उस कठिन दौर में भारत ने महसूस किया कि तकनीकी आत्मनिर्भरता केवल सुविधा का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता का भी प्रश्न है। तभी भारत ने यह अवसर पहचाना और अपने को आपूर्ति श्रृंखला का विश्वसनीय केंद्र बनाने की दिशा में कदम बढ़ाए।

वर्ष 2025 में चीन के तियानजिन नगर में सम्पन्न शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन इस संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। भारत ने यहाँ अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए सुरक्षा, संपर्क और अवसर के तीन स्तंभ प्रस्तुत किए। भारत ने कहा कि तकनीक केवल व्यापार और उद्योग का विषय नहीं, बल्कि साझा सुरक्षा, स्थायी संपर्क और सामूहिक अवसर का आधार है। सेमीकंडक्टर विकास और डिजिटल नवाचार को सामूहिक प्राथमिकता बनाने का भारत का आह्वान इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि रहा। तियानजिन घोषणा पत्र में भारत की यह दृष्टि परिलक्षित हुई, जिससे यह प्रमाणित हो गया कि विश्व समुदाय भारत के बढ़ते तकनीकी महत्व को स्वीकार कर रहा है।

भारत ने इस प्रयास को केवल उद्योग तक सीमित नहीं रखा है। शिक्षा संस्थानों, अनुसंधान केन्द्रों और स्टार्टअप्स को भी इस अभियान से जोड़ा जा रहा है। आईआईटी, एनआईटी और अन्य विश्वविद्यालयों में चिप डिजाइनिंग, नैनोटेक्नोलॉजी और एंबेडेड सिस्टम से जुड़े पाठ्यक्रम आरम्भ किए गए हैं। युवाओं को अनुसंधान और नवाचार की दिशा में प्रेरित किया जा रहा है। इस प्रकार आने वाली पीढ़ी को तकनीकी नेतृत्व सौंपने की ठोस तैयारी की जा रही है।

सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत का यह अभियान रोज़गार सृजन और औद्योगिक विकास का भी आधार बनेगा। अनुमान है कि आने वाले दस वर्षों में इस क्षेत्र से दस लाख से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार के अवसर पैदा होंगे। निर्माण, डिजाइनिंग, परीक्षण और वितरण के स्तर पर नये उद्योग और स्टार्टअप्स उभरेंगे। यह केवल तकनीकी विकास नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी ऐतिहासिक कदम होगा। इस अभियान का एक महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है। रक्षा उपकरणों और उपग्रह तकनीक में आत्मनिर्भरता बढ़ने से भारत की रणनीतिक स्थिति सुदृढ़ होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सुरक्षा में भी भारत का प्रभाव बढ़ेगा। स्पष्ट है कि चिप निर्माण केवल उद्योग की आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता से भी गहरे रूप से जुड़ा है।

देवतालाब, बनारस और प्रयागराज धार्मिक क्षेत्र का अनूठा त्रिकोण हैं : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने देवतालाब में 241 करोड़ 33 लाख रुपए के निर्माण कार्यों का किया शिलान्यास और लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव देवतालाब में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि शिव मंदिर देवतालाब अदभुत है। यहां पांच तत्वों का आभास होता है। ऐसा अद्भुत मंदिर केवल विश्वकर्मा जी ही बना सकते हैं। देवतालाब, बनारस और प्रयागराज महत्वपूर्ण धार्मिक त्रिकोण हैं। देवतालाब आस्था, इतिहास और आनंद का संगम है। यह श्रृंगी ऋषि की तपोभूमि है। ऐसी मान्यता है कि देवतालाब के शिव का दर्शन करने पर ही चारोंधाम की यात्रा का फल मिलता है। उसके बिना चारोंधाम की यात्रा अधूरी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के वैदिक ज्ञान और ज्योतिष ने दुनिया का मार्ग प्रशस्त किया है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि 21वीं सदी भारत की सदी होगी। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उसे सपने को साकार करने में प्राणपण से जुटे हैं। गरीब, महिला, युवा और किसानों के लिए अनेक योजनाएं लागू की गई हैं। जब दुनिया के बड़े देश भारत को चुनौती दे रहे हैं तो प्रधानमंत्री ने स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का मंत्र देकर देश को मजबूती से आगे बढ़ाया है। आज दुनिया भर के मंचों में प्रधानमंत्री के नाम की धूम है। मुख्यमंत्री ने देवतालाब स्टेडियम में आयोजित विशाल जनसभा में मऊगंज जिले और देवतालाब विधानसभा क्षेत्र को अनेक सौगातें दीं। मुख्यमंत्री ने देवतालाब शिव मंदिर में शिवलोक के निर्माण तथा नईगढ़ी एवं देवतालाब में तहसील भवन निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवतालाब के अस्पताल का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उन्नयन होगा। देवतालाब में शासकीय महाविद्यालय में ऑडिटोरियम और अतिरिक्त कक्षों का निर्माण किया जाएगा। अनुसूचित जाति और जनजाति विद्यार्थियों के लिए दो छात्रावास भवन बनाए जाएंगे। बहुती जलप्रपात में पर्यटन विकास निगम विकास के कार्य कराएगा। अष्टभुजी माता मंदिर में सौंदर्यीकरण का कार्य किया जाएगा। आदिवासी अंचल में टीपा बदोर से गढ़वा रोड तक 11 किलोमीटर की सड़क बनाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मऊगंज जिले को आज 241 करोड़ 33 लाख रुपए के निर्माण कार्यों की सौगात मिली है। लाड़ली बहना योजना के हितग्राहियों को दीवाली के बाद 1500 रुपए की राशि हर माह दी जाएगी। हाल ही में हनुमना उद्वहन सिंचाई परियोजना मंजूर की गई है। इससे रीवा संभाग के रीवा, सीधी, सिंगरौली और मऊगंज जिलों के एक लाख 40 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। रीवा के सोलर प्लांट की बिजली से दिल्ली की मेट्रो रेल दौड़ रही है। मऊगंज के घुरेहटा में बाबा रामदेव के पतंजलि संस्थान द्वारा एक हजार करोड़ रुपए की लागत से कृषि पर आधारित उद्योगों का विकास किया जा रहा है। इससे लाखों किसान लाभान्वित होंगे। उज्ज्वला गैस योजना से 64 हजार से अधिक गैस के कनेक्शन दिए गए हैं। मऊगंज में शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में 44 हजार गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्के आवास मिले हैं।

मुख्यमंत्री ने बनारस से आए लोक कलाकारों को 25 हजार रुपए, लोक नृत्य प्रस्तुत करने वाले दल के प्रत्येक सदस्य को पांच-पांच तथा स्वागत गीत गाने वाली लोक गायिका राखी द्विवेदी को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब रीवा और मऊगंज में ही युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने समारोह में विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने मंच में पहुंचने पर कन्या पूजन करके बेटियों का सम्मान किया। मुख्यमंत्री ने पुष्पवर्षा कर लाड़ली बहनों और आमजनता का अभिनंदन किया।

किराना दुकान में चोरी कर आग लगाई, बदमाशों ने शटर तोड़ा; एक लाख का सामान निकाला फिर दुकान में लगा दी आग

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बगहा रोड पर स्थित एक किराना दुकान में शनिवार की देर रात अज्ञात बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। बदमाशों ने पहले दुकान का शटर तोड़कर चोरी की और फिर दुकान में आग लगा दी।

दुकान के मालिक पप्पू लखहा ने बताया कि वह रात में दुकान बंद कर घर चले गए थे। रविवार सुबह राहगीरों ने उन्हें दुकान से धुआं निकलने की सूचना दी। जब दुकान के अंदर देखा गया तो पूरा सामान जला हुआ मिला। दुकान में रखा करीब एक लाख रुपए का किराना सामान जलकर नष्ट हो गया।

पीड़ित ने तुरंत डायल 112 पर सूचना दी। इसके बाद सिविल लाइन थाने में जाकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अभी तक बदमाशों की पहचान नहीं हो पाई है।

3 दिवसीय राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। राजरानी सेवा एवं शिक्षण प्रशिक्षण संस्थान एवं सोशल वेलफेयर सोसाइटी द्वारा संचालित स्वर्गीय विजय सिंह मेमोरियल ट्रेंनिंग रिसर्च एंड रिहैबिलिटेशन इंस्टीट्यूट डी.एड. विशेष शिक्षा कॉलेज रीवा मध्य प्रदेश में प्रारंभ हुआ राष्ट्रीय स्तरीय तीन दिवसीय सी.आर.ई. कार्यक्रम का शुभारंभ जिसमें भारत के कई राज्यों एवं अलग-अलग प्रदेशों से प्रतिभागियों ने भाग लिया कार्यक्रम की शुरुआत में राजरानी सेवा संस्थान की संस्थापिका रानी सिंह संस्थान के अध्यक्ष अजय सिंह गहरवार रिसोर्स पर्सन संजय सिंह रिसोर्स पर्सन के रूप में शिव शंकर कपूर शासकीय दृष्टि बाधित विशेष विद्यालय जबलपुर, सूर्य प्रकाश मिश्रा, ऑडियोलॉजिस्ट लव कुश मिश्रा, संजय मिश्रा, नीता रजक, कु वैशाली श्रीवास्तव अनीता विश्वकर्मा के द्वारा मा सरस्वती माता की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत की गई, कार्यक्रम में प्रतिभागियों द्वारा बहुत रुचि दिखाई गई और उनके द्वारा कहा गया कि इस तरह के कार्यक्रम से भारतीय पुनर्वास परिषद एवं दिव्यांगता के क्षेत्र में वर्तमान में एवं भविष्य में किये जा रहे बदलाव के बारे में विकास एवं अन्य विषयों का ज्ञान प्राप्त होता है, राष्ट्रीय स्तरीय तीन दिवसीय सी.आर.ई. कार्यक्रम का विषय अस्सिटिव डिवाइसेज एंड लेटेस्ट टेक्नोलॉजी इन डिसेबिलिटी सेक्टर जिसमें सहायक प्रौद्योगिकी का परिचय गतिशीलता सहायक उपकरण जैसे व्हीलचेयर वॉकर और छड़ी वॉक बड़ो के लिए संप्रेषण रन उपकरण नेत्रहीनों और कम दृष्टि वालों के लिए दृष्टि सहायक उपकरण सुलभता के लिए स्मार्टफोन और मोबाइल एप्स, सहायक प्रौद्योगिकी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बारे में बताया गया, कार्यक्रम में भारत के विभिन्न राज्यों से लगभग 187 पार्टिसिपेंट्स. विशेष शिक्षक. प्रशिक्षक एवं विषय विशेषज्ञों ने भाग लिया , कार्यक्रम में इनकी भी रही उपस्थि दीप्ति सिंह परिहार आरती पटेल अमिता सिंह कीर्ति शुक्ला मधु शुक्ला कोमल चर्मकार काजल कुशवाहा अजय वर्मा युवराज सिंह तिलक राज सिंह सिद्धार्थ सिंह दिव्यराज सिंह सुभाष पटेल केदार कुशवाहा ललिता बृजमोहन सिंह पूनम मिश्रा साधना पांडे रंजना सिंह निशा इत्यादि, कार्यक्रम का सफल संचालन अनीता विश्वकर्मा के द्वारा किया गया।

नदी में डूबा 12 साल का बच्चा, दोस्तों के साथ गया था नहाने

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। जिले के कोटर थाना क्षेत्र के डगडीहा गांव में रविवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां 12 वर्षीय राजेंद्र सिंह, पिता सुरेंद्र सिंह सेमरावल नदी में नहाते समय तेज बहाव में बह गया। गहरे पानी में उतरा और डूब गया। ग्रामीणों ने बताया राजेंद्र सुबह करीब 9 बजे गांव के दो दोस्तों के साथ नदी नहाने गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में उतर गया और डूब गया।

शनिवार देर रात हुई बारिश से नदी का बहाव तेज था, जिसमें वह बह गया। घटना के बाद उसके दोस्तों ने गांव आकर लोगों को जानकारी दी। स्थानीय गोताखोरों ने नदी में तलाश शुरू की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

सूचना पर कोटर पुलिस ने सतना से स्थ्रक्रन टीम बुलवाई। दोपहर 12 बजे से टीम बोट के जरिए नदी में रेस्क्यू कर रही है, लेकिन बच्चे का अभी तक कोई पता नहीं चल सका। राजेंद्र के घर में कोहराम मचा हुआ है। परिजन नदी किनारे बच्चे का इंतजार करते हुए बार-बार बेहोश हो रहे हैं।

दिव्यांग युवती से ठगी का आरोपी सतना में धराया, इंस्टाग्राम से जाल में फंसाकर 5 लाख रुपए ठगे; सोना लेने आया था

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सिविल लाइन थाना पुलिस ने एक साइबर फ्रॉड को गिरफ्तार किया है। आरोपी जोधपुर, राजस्थान का रहने वाला सोहेल वेलिम है। वह मानसिक दिव्यांग युवती से ठगी करने आया था। पुलिस के अनुसार, दो साल पहले आरोपी ने आकाशगंगा नहर पतेरी की रहने वाली दिव्यांग युवती को इंस्टाग्राम के जरिए अपने जाल में फंसाया था। उसने परिवार की बीमारी आदि बहाने बनाकर युवती से ऑनलाइन 5 लाख रुपए ट्रांसफर करवा लिए थे।

फिर से पैसों की मांग, सतना में गिरफ्तार: युवती के परिजनों को जानकारी मिलने पर 2023 में पुलिस में शिकायत की गई और मोबाइल नंबर बदल दिया गया। लेकिन आरोपी ने नया नंबर ढूंढकर फिर से पैसों की मांग शुरू कर दी। शनिवार को आरोपी अपने एक साथी के साथ सतना आया और युवती से सोने के गहने हड़पने की योजना बना रहा था। परिजनों ने आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान उसका साथी फरार हो गया, जबकि सोहेल को लोगों ने सुमित बाजार के सामने पकड़कर पुलिस को सौंप दिया।

फरार साथी की तलाश जारी: टीआई योगेन्द्र सिंह परिहार ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। फरार साथी की तलाश जारी है। माना जा रहा है कि यह गिरोह प्रदेश और बाहर कई लोगों को अपना शिकार बना चुका है। परिजन चाहते हैं कि आरोपी दोबारा उनकी बेटी को परेशान न करे। पुलिस पूरे मामले की तह तक जाने के प्रयास में है और युवती का बयान भी लिया जा रहा है।

किसान और उसकी भैंस की करंट लगने से मौत, ट्रांसफार्मर से गिरी थी तार

सतना। कोटर थाना क्षेत्र के तिहाई गांव में टूटी बिजली की तार की चपेट में आने से एक किसान और उसकी भैंस की मौत हो गई। घटना शनिवार शाम करीब 5 बजे की है। 45 साल के रामकृष्ण कुशवाहा अपनी भैंस को खेत से घर ला रहे थे। इसी दौरान ट्रांसफॉर्मर से गांव की ओर जाने वाली बिजली की तार टूटकर उन पर गिर गई। करंट लगने से रामकृष्ण और उनकी भैंस दोनों बुरी तरह झुलस गए। मौके पर मौजूद लोगों ने किसान को तार से अलग किया। उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम रविवार को किया जाएगा।

हाफ मैराथन में 20 राज्यों से पहुंचे धावक, 85 जिलों से आए 5332 प्रतिभागी; 21, 10 और 5 किमी की दौड़ में 972 महिलाएं शामिल

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। मध्य प्रदेश के सतना में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित हाफ मैराथन का छठवां संस्करण रविवार को संपन्न हुआ। शासकीय उत्कृष्ट वेंकट क्रमांक-1 खेल परिसर, धवारी से शुरू हुई इस मैराथन को प्रदेश के स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने हरी झंडी दिखाई।

मैराथन में तीन श्रेणियां शामिल थीं- 21 किलोमीटर, 10 किलोमीटर और 5 किलोमीटर की दौड़। इस प्रतियोगिता में कुल 5332 धावकों ने हिस्सा लिया। इनमें 972 महिला प्रतिभागी शामिल थीं। देश के 20 राज्यों के 85 जिलों से धावक पहुंचे। विजेताओं को चार लाख रुपए से अधिक की पुरस्कार राशि दी गई।

धावकों का जगह-जगह स्वागत किया गया

कार्यक्रम में राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी, महापौर योगेश ताम्रकार और ग्रामोदय विश्वविद्यालय चित्रकूट के कुलपति डॉ. भरत मिश्र भी मौजूद रहे। मंत्री उदय प्रताप राव ने कहा कि डॉ. राकेश मिश्र ने सतना हाफ मैराथन को राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। उन्होंने डॉ. मिश्र की स्वास्थ्य, पर्यावरण, शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में समाजसेवा को प्रेरणादायी बताया। प्रतियोगिता के दौरान प्रशासन ने रूट पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कीं और धावकों का जगह-जगह स्वागत किया गया।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर नाबालिग को भगाया, विदिशा का युवक इंदौर से गिरफ्तार; मंदिर में शादी कर किया शोषण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। एक नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने आरोपी सोनू उर्फ सुनील विश्वकर्मा (24) को इंदौर से गिरफ्तार किया है। आरोपी विदिशा के मुबारकपुर का रहने वाला है और उसने इंस्टाग्राम के जरिए लड़की से दोस्ती की थी। 4 जुलाई को लड़की के लापता होने की सूचना पर पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया। पूछताछ में पता चला कि आरोपी ने नाबालिग को बहला-फुसलाकर पहले रेलवे स्टेशन बुलाया, फिर विदिशा और इंदौर ले गया। आरोपी ने मंदिर में शादी का दिखावा किया और नायता मुंडला-देवगड़रिया रोड पर किराए के कमरे में रखकर लगातार शोषण किया।

पुलिस की कार्रवाई: सिटी कोतवाली टीआई रावेंद्र द्विवेदी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने साइबर सेल की मदद से इंदौर में दबिश देकर नाबालिग को सुरक्षित मुक्त कराया। आरोपी पर बंधक बनाने, दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज किया गया। शनिवार को आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया।

रेलवे स्टेशन पर ट्राली बैग चोरी, जीआरपी ने जारी किया वीडियो

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। रेलवे स्टेशन पर ट्राली बैग चोरी के मामले में पुलिस ने चोर का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर जारी किया है। ये घटना 3 मई की रात की है। सरिता चौधरी अपने पति और परिजनों के साथ प्लेटफॉर्म पर ट्रेन का इंतजार कर रही थी। वह सो गई और इसी दौरान एक चोर ने उनका ट्राली बैग चुरा लिया। सरिता चौधरी (29) देवीपुर, थाना सिविल लाइन की रहने वाली हैं।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने सतना हॉफमैराथन 2025 का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने रविवार को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 में पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आयोजित सतना हॉफ मैराथन 2025 का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन तथा फ्लैग ऑफ कर किया। सतना हॉफ मैराथन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 के खेल मैदान से प्रारंभ होकर सिविल लाइन चौराहा, सेमरिया चौराहा, इंडस्ट्रीयल एरिया एवं कृपालपुर गेट से वापस मुड़ते हुये शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय व्यंकट क्रमांक-1 में समाप्त हुई। रैली के शुभारंभ अवसर पर परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि खेलो इंडिया के तहत लोगो में फिटनेस के प्रति जागरुकता लाने में यह मैराथन अहम भूमिका निभायेगी। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मैं सभी विजेताओं एवं आयोजनकर्ताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ। मैराथन में जिन खिलाडियों को सफलता नहीं मिली है वो निराश ना हो। लगन, निष्ठा तथा कड़ी मेहनत के साथ प्रयास करे तो आगे सफलता जरूरी मिलेगी। इस अवसर पर विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, पूर्व मंत्री रामखेलावन पटेल, महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह परिहार, जिलाध्यक्ष सतना भगवती प्रसाद पाण्डेय, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, अपर कलेक्टर विकास सिंह, एसडीएम सिटी राहुल सिलाडिया, सेवा न्यास के अध्यक्ष डॉ. राकेश मिश्रा, विंध्य चेम्बर अध्यक्ष सतीश सुखेजा, एकेएस यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर अनंत सोनी, एपीएस विश्वविद्यालय रीवा के डायरेक्टर डॉ. रामभूषण मिश्रा सहित अधिकारी-कर्मचारीगण एवं देश के विभिन्न राज्यों से आए धावक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर सतना हाफ मैराथन 2025 में 21 किमी, युवा दौड़ 10 किमी एवं अमृत दौड 5 किमी दौड़ के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले धावकों को पुरुस्कार राशि के प्रतीक स्वरुप चेक एवं इनाम भी वितरित किये गये।

स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल, नागौद में धूमधाम से मनाया गया शिक्षक दिवस

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। स्वामी विवेकानंद पब्लिक स्कूल, नागौद में शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। यह दिन समस्त शिक्षकों के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करने के लिए समर्पित है। विद्यार्थियों ने विद्यालय परिसर को सजाकर अलग अंदाज में शिक्षक दिवस मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने श्रद्धा के साथ दीप जलाए। इसके बाद, विद्यालय की डायरेक्टर शशी सिंह जी ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि शिक्षक ही समाज के मार्गदर्शक होते हैं, जो बच्चों के जीवन में उजाला भरते हैं। उन्होंने कहा कि गुरु बिना ज्ञान अधूरा है और सभी विद्यार्थियों को अध्यापकों के प्रति सादर सम्मान बनाए रखने का संदेश दिया।

प्राचार्य संजीव श्रीवास्तव जी ने अपने संबोधन में शिक्षकों के योगदान को महत्व देते हुए कहा कि शिक्षक केवल शिक्षा देने वाले नहीं, अपितु जीवन के हर मोड़ पर सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक भी होते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे अपने शिक्षकों का आदर करें और शिक्षा को अपना परम ध्येय बनाएं। इस समारोह में विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए, जिसमें नृत्य, गीत और नाटक शामिल थे। इन प्रस्तुतियों ने सभी उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने अपने-अपने शिक्षकों को व्यक्तिगत रूप से धन्यवाद ज्ञापित किया और उन्हें सम्मानित करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नर्सिंग स्टूडेंट बोला- ईसाई बन जाओ, बीमारी दूर हो जाएगी

रतलाम मेडिकल कॉलेज में मरीज पर बनाया धर्म परिवर्तन का दबाव; 4 गिरफ्तार, एक राजस्थान का

रतलाम, एजेंसी। तुम बार-बार बीमार होते हो। बीमारी प्रभु यीशु की नियमित प्रार्थना से ही दूर होगी। ईसाई धर्म को स्वीकार कर लो। ये बात कहकर कुछ लोग आदिवासियों पर धर्म परिवर्तन का दबाव बना रहे थे। रतलाम में इलाज के बहाने ये काम किया जा रहा था। पुलिस ने 4 लोगों पर केस दर्ज किया है। तीन गिरफ्तार हो चुके हैं। इनमें एक आरोपी राजस्थान के बांसवाड़ा का है। वहीं, एक आरोपी रतलाम मेडिकल कॉलेज में पेरामेडिकल स्टाफ (नर्सिंग स्टूडेंट) है।

5 सितंबर को औद्योगिक इलाके में टैंकर रोड पर झोपड़ी में इलाज के बहाने धर्मांतरण की सूचना पर हिंदू संगठनों के पदाधिकारी पहुंचे थे। यहां बड़ी संख्या में आदिवासी महिला और बच्चे मौजूद थे। सभी को इलाज और प्रार्थना के बहाने बुलाया था। झोपड़ी में बाइबल और क्रॉस भी मिला था।

हिंदू संगठनों के लोगों ने मौके से चार लोगों को पकड़ा था। पुलिस ने चारों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उन्होंने धर्मांतरण कराने की बात कबूल कर ली। शनिवार शाम को चारों पर धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई।

बीमारी ठीक न हो तो मुझे बताना

विरियाखेड़ी के रहने वाले कैलाश निनामा ने शिकायत में पुलिस को बताया, मैं अनुसूचित जनजाति में आता हूं और मजदूरी करता हूं। 4-5 माह पहले स्वास्थ्य खराब होने पर मेडिकल कॉलेज गया था। यहां, जगदीश निनामा मिला। उसने कहा कि तुम्हें बीमारी में फायदा न हो तो मुझसे मिलना। इसके बाद मैं अपना इलाज कराकर घर आ गया।

कुछ दिन बाद जगदीश फिर मिला। उसने कहा कि मैं प्रभु यीशु की प्रार्थना करता हूं। मैं तुम्हारे लिए भी प्रार्थना करूंगा। वो तुम्हारे सारे दुख दूर करेंगे। शिवनगर में रहने वाले मेरे भाई विक्रम निनामा के घर हर शुक्रवार को प्रभु यीशु की प्रार्थना होती है। तुम शिवनगर आ जाना।

बीमारी से छुटकारा पाना है तो प्रार्थना करो

कैलाश ने पुलिस को बताया, 5 सितंबर की सुबह करीब 9 बजे मैं जगदीश के भाई विक्रम के घर गया।

यहां जगदीश, विक्रम और मांगीलाल व अन्य लोग मिले। कुछ समय बाद विक्रम ने यीशु की प्रार्थना की। प्रसादी लेने के बाद लगभग सभी लोग चले गए। मैं वहीं पर था। जगदीश, विक्रम, मांगीलाल और अन्य व्यक्तियों ने मुझ पर ईसाई धर्म अपनाने के लिए दबाव बनाया। जगदीश ने कहा कि विक्रम ने प्रार्थना से कई लोगों की बीमारी ठीक की है।

प्रसाद लेने के बाद मानसिक संतुलन खो बैठा

कैलाश निनामा ने बताया कि उस पर धर्म परिवर्तन करने का दबाव बनाया गया। वहां पर प्रसाद लिया था इस कारण मानसिक संतुलन खो बैठा था।

विक्रम और उसके साथी वहां पर लोगों का सामूहिक धर्म परिवर्तन करवा रहे थे। कई लोगों की आंखों पर रूमाल बांधकर और सिर पर हाथ रखकर प्रार्थना करवा रहे थे। इसमें महिलाएं और बच्चे भी थे, जिनकी उम्र 18 साल से कम थी।

नर्मदापुरम में पितृ पक्ष पूर्णिमा पर नर्मदा स्नान, पितरों को जल अर्पित कर किया आमंत्रित

अब 21 सितम्बर तक नहीं होंगे शुभ कार्य

नर्मदापुरम, एजेंसी। भाद्रपद मास की पूर्णिमा तिथि से रविवार को पितृपक्ष (सोलह श्राद्ध) का आरंभ हुआ। सुबह-सुबह सैकड़ों लोग अपने पितरों का तर्पण करने मां नर्मदा के सेठानी घाट, विवेकानंद घाट और गोंदरी घाट पहुंचे। पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पितरों को जल अर्पित कर श्रद्धांजलि दिलाई।

इस बार श्राद्ध का खास नियम

भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा से 16 श्राद्ध माने जाते हैं। इस बार अष्टमी और नवमी एक ही तिथि में होने के कारण 14 सितम्बर को एक ही दिन श्राद्ध होगा। 21 सितम्बर को पितृ मोक्ष अमावस्या है। इस अवधि में कोई भी शुभ कार्य नहीं किए जाते। 22 सितम्बर से चैत्र नवरात्र शुरू होंगे।

तर्पण की सरल विधि

श्राद्ध के दौरान साफ जल, थाली, कच्चा दूध, गुलाब के फूल, कुशा, सुपारी, जौ, काले तिल आदि तैयार रखें। आचमन कर हाथ धोएं, जल छिड़कें और गायत्री मंत्र से शिखा बांधें:थाली में जल, दूध और गुलाब की पंखुड़ियां डालें, हाथ में चावल लेकर देवताओं को स्मरण करें। अनामिका उंगली में कुशा से बनी अंगूठी पहनकर सीधे हाथ से तर्पण दें।

सागर में विवादित नारे मामले में कांग्रेस का नोटिस

पूर्व लॉक अध्यक्ष समेत शहर महामंत्री से तीन दिन में मांगा जवाब

सागर। सागर में ईद मिलाद उन नबी को लेकर निकाली गई बाइक रैली में लगे विवादित नारों के मामले में कांग्रेस ने नोटिस जारी किए हैं। तीन दिन में नोटिस का जवाब मांगा गया है।

जारी नोटिस के अनुसार, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन मंत्री संजय कावले के आदेशानुसार जिला शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेश जाटव ने पिछले दिनों ईद मिलादुन्नबी के पर्व पर मुसलमान भाइयों द्वारा निकाली गई वाहन रैली के दौरान तीनबत्ती पर भड़काऊ नारे लगाने और सामाजिक सद्भाव खराब करने पर पूर्व ब्लाक अध्यक्ष सदर मंडल फिरदोस कुरैशी और जिला शहर महामंत्री शहबाज कुरैशी को कारण बताओ नोटिस जारी करके तीन दिन में जबाव मांगा है। जबाव ना देने की स्थिति में एक तरफा कार्रवाई की जाएगी। यह भी नोटिस में स्पष्ट किया गया है।

पम्मा कुरैशी (कसाई) कांग्रेस पार्टी का सदस्य नहीं: जिला शहर कांग्रेस कमेटी यह भी स्पष्ट करती है कि अन्य दोषी पम्मा कुरैशी (कसाई) कांग्रेस पार्टी के सदस्य नहीं है और जिला शहर कांग्रेस कमेटी का इस वाहन रैली से कोई संबंध नहीं था। जिला शहर कांग्रेस संगठन भविष्य में भी किसी भी प्रकार का अनुशासन हीन कृत्य बर्दाश्त नहीं करेगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है।

महू-नीमच हाईवे पर अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

मंदसौर, एजेंसी। मंदसौर जिले के पिपलियामंडी के पास महू-नीमच हाईवे पर शनिवार-रविवार की दरम्यानी रात सड़क हादसा हुआ। हादसे में 1 युवक की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है।

जानकारी के मुताबिक, मोटरसाइकिल सवार दो युवक पिपलियामंडी से मन्दसौर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया।

मृतक और घायल की जानकारी: हादसे में भवर सिंह (पिता मिट्ठू सिंह) निवासी जग्गाखेड़ी की मौत हो गई। वहीं, जितेंद्र (पिता जवान सिंह सोंधिया राजपूत) निवासी जग्गाखेड़ी गंभीर रूप से घायल है। उसका इलाज पिपलियामंडी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। पिपलियामंडी थाने की सूचना के अनुसार मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

12 झांकियों को आधा किलोमीटर घूमने में 8 घंटे लगे

ज्यादा ठहराव सिर्फ कहारवाड़ी मस्जिद के पास : पुलिस ने बल प्रयोग कर आगे बढ़ाया

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में अनंत चतुर्दशी मौके पर शनिवार की रात में झांकियों का कारवां निकला। झांकियां रात 12 बजे से शुरू हुई, जिसके बाद 15 मिनट से आधे घंटे के अंतराल में झांकियां निकलती रही।

पहली झांकी शनि मंदिर चौक की थी, जिसे आधा किलोमीटर का रास्ता भेदने में 5 घंटे लग गए। 4 घंटे तो जलेबी चौक से कहारवाड़ी मस्जिद तक आने में लग गया।

इस तरह 12 झांकियों के चल समारोह का समापन सुबह 8 बजे हुआ।झांकी आगे बढ़ाने की बात पर विवाद, अरझरे को धकेला कहारवाड़ी मस्जिद के पास तड़के 5 बजे झांकियों को आगे बढ़ाने के दौरान पुलिस ने हल्का बल प्रयोग किया। नाराज हिंदू संगठन के नेता डॉ. अनीस अरझरे की पुलिस से बहस हो गई। इसी दौरान मस्जिद में फजर की नमाज हो रही थी। इसके बाद एडिशनल एसपी राजेश रघुवंशी ने मोर्चा संभाला और भीड़ के बीच घुसकर लोगों को आगे किया।

बावजूद अरझरे नहीं माने तो पुलिसकर्मी उन्हें 100 मीटर तक धक्का देते हुए आगे ले गए।

हालांकि, डॉ. अनीस अरझरे फिर से कहारवाड़ी मस्जिद के पास पहुंचे और पीछे आ रही झांकी में शामिल हो गए। तब लोगों ने उन्हें कंधों पर उठा लिया और इस दौरान अरझरे ने हवा में लाठी घुमाई।

पुलिस का ड्रोन गिरा, टीआई ने युवक को पीटा

सुरक्षा की दृष्टि से कहारवाड़ी मस्जिद के पास भारी पुलिस फोर्स तैनात किया गया था। इसी दौरान पुलिस द्वारा ड्रोन कैमरों से भी निगरानी की जा रही थी। तभी पुलिस का ड्रोन मस्जिद के पास बिजली के तारों में उलझ गया। जिससे कि ड्रोन का बैलेंस बिगड़ा और नीचे गिरने लगा। हालांकि एडिशनल एसपी राजेश रघुवंशी ने गिरते हुए ड्रोन को हाथों में थाम लिया। जिससे कि नुकसान होने से बच गया। इधर, लालचौकी की झांकी में शामिल एक युवक की टीआई से बहस हो गई। टीआई ने टपालचाल से लेकर कोतवाली थाने तक उस युवक को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा।

अब झांकियों की कहारवाड़ी तक की टाइमलाइन देखिए

पहली झांकी शनि मंदिर क्षेत्र की 12 बजे जलेबी चौक पहुंची और शुरू हुई। रात 3 बजकर 50 मिनट पर वह कहारवाड़ी मस्जिद के पास पहुंची। दूसरी झांकी पदमकुंड वार्ड की थी, जो 4 बजकर 10 मिनट, तीसरी झांकी जय मां काली ग्रुप की 4 बजकर 20 मिनट, चौथी झांकी भगतसिंह चौक की 5 बजे, पांचवी झांकी शिवाजी चौक की 5 बजकर 15 मिनट बजे, छठवीं झांकी भवानी माता चौक की 5 बजकर 30 मिनट बजे।सातवी झांकी शिवाजी नगर की 5 बजकर 45 मिनट बजे, आठवीं झांकी बुधवारा चौक की सुबह 6 बजे, नौंवी झांकी पड़ावा चौक की सुबह 6 बजकर 30 मिनट बजे कहारवाड़ी मस्जिद के पास पहुंची। इसके बाद लालचौकी, रमा कॉलोनी और आखिरी झांकी टपालचाल की सुबह 7 बजकर 15 मिनट बजे पहुंची।

कलेक्टर-एसपी ने कंट्रोल रूम में बैठकर मॉनिटरिंग की

झांकियों का चल समारोह शांति पूर्वक निकले, इसके लिए कलेक्टर ऋषव गुप्ता, एसपी मनोज कुमार राय ने रात 11 बजे पैदल ही झांकी मार्ग का भ्रमण किया। व्यवस्था में जुटे अधिकारियों को सुरक्षा के संबंध में निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम पर पहुंचे और वहां से बैठकर मॉनिटरिंग की।

शिप्रा में कार गिरी, टीआई का शव मिला, उज्जैन में एसआई-कॉन्स्टेबल को तलाश रही टीम

उज्जैन, एजेंसी। उज्जैन में शिप्रा नदी में कार गिरने से लापता हुए तीन पुलिसकर्मियों में से एक का शव मिल गया है। उन्हेल थाना प्रभारी अशोक शर्मा की डेडबॉडी सुबह करीब 8 बजे स्पॉट से 4 किलोमीटर दूर मिली। रेस्क्यू टीमें एसआई मदनलाल निमामा और कॉन्स्टेबल आरती पाल को तलाश रही हैं।

एसपी प्रदीप शर्मा के मुताबिक, तीनों पुलिसकर्मी शनिवार को उज्जैन से चिंतामन के लिए निकले थे। वे एक लड़की के लापता होने के मामले में जांच करने जा रहे थे। इसी दौरान उनकी कार पुल से अनियंत्रित होकर शिप्रा में जा गिरी।

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और होमगार्ड की टीम बोट से और ड्रोन से कार की सर्चिंग कर रहे हैं।

गुमशुदा मामले की जांच करने जा रहे थे

रात डेढ़ बजे अंधेरा ज्यादा होने के चलते रेस्क्यू रोक दिया गया था। इसे सुबह 7 बजे दोबारा शुरू किया गया। सर्चिंग के दौरान नदी से एक अन्य पुरुष का शव मिला है। पहले ये शव एसआई मदनलाल निमामा का माना जा रहा था। लेकिन बाद में इसके निमामा का नहीं होने की पुष्टि हो गई। फिलहाल, उसकी पहचान नहीं हो सकी है।

कॉन्स्टेबल आरती चला रही थी कार

एसपी शर्मा के मुताबिक, कार कॉन्स्टेबल आरती पाल चला रही थीं। उन्हेल थाना इलाके से दो दिन पहले 14 साल की लड़की गुमशुदा हो गई है। इसी मामले में तीनों पुलिसकर्मी चिंतामन की तरफ जा रहे थे। 41 साल की आरती की शादी नहीं हुई थी। 6 माह पहले ही उनके भाई की मौत हुई है।

खरगोन में कछुए के गले से निकाला फिशहुक

खरगोन, एजेंसी। खरगोन के बोरावां स्थित पशु अस्पताल में एक मादा कछुए के गले में फंसे मछली पकड़ने के हुक (फिशहुक) को सफल ऑपरेशन के जरिए निकालकर उसकी जान बचाई गई। यह जटिल सर्जरी लगभग दो घंटे तक चली। सर्जरी के बाद दस दिनों तक उसकी विशेष देखभाल की गई और फिर प्राकृतिक आवास वेदा नदी में उसे वापस छोड़ दिया गया।इस मादा कछुए को बोरावां निवासी योगेश नेगी घायल अवस्था में लेकर सरकारी पशु अस्पताल पहुंचे थे।

सीहोर में पूरी रात निकला चल समारोह, अलग-अलग अखाड़ों के किया प्रदर्शन

निकली झांकियां, संगठनों ने जगह-जगह मंच लगाकर किया स्वागत

सीहोर, एजेंसी। सीहोर में अनंत चतुर्दशी के अवसर पर परंपरागत चल समारोह का आयोजन किया गया। यह समारोह पूरी रात चला। इस दौरान शहर में दिन जैसा उजाला नजर आया।

कोतवाली चौराहे से शुरू हुए इस समारोह में अलग-अलग अखाड़ों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। मुख्य मार्ग पर निकले समारोह में कई आकर्षक झांकियां भी शामिल थीं। स्थानीय संगठनों ने जगह-जगह मंच लगाकर समारोह का स्वागत किया।

कलाकारों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया: चल समारोह सीहोर की वार्षिक परंपरा है। स्थानीय निवासी पूरे साल इस आयोजन की प्रतीक्षा करते हैं। इस वर्ष भी हजारों लोगों ने रात भर चले इस समारोह का आनंद लिया। अखाड़ों के कलाकारों ने अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। उनकी प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मुख्य मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर बनाए गए मंचों से समारोह का स्वागत किया गया। इस आयोजन में शहर के विभिन्न संगठनों ने सक्रिय भागीदारी की।

छतरपुर में बांध में डूबने से किशोर की मौत दोस्तों के साथ पार्टी करने थरा डैम गया

नहाते समय गहरे पानी में फिसलने से हादसा

छतरपुर, एजेंसी। छतरपुर में रविवार सुबह एक 15 वर्षीय किशोर की बांध में डूबने से मौत हो गई। घटना सुबह करीब 9 बजे की है जब बालक अपने दोस्तों के साथ थरा बांध पर पार्टी करने गया था। नहाते समय उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बांध में नहाते समय हुआ हादसा

किशोर की पहचान अंकित पिता तुलसीदास पटेल (15), निवासी बराजखेरा गांव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अंकित अपने 15 से 20 दोस्तों के साथ थरा बांध पर पार्टी के लिए गया था। इस दौरान सभी नहा रहे थे कि अचानक अंकित का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में समा गया।

30 मिनट बाद निकाला बाहर

घटना की जानकारी मिलते ही पास के गांव के कुछ लोग मौके पर पहुंचे और पानी में उतरकर उसकी तलाश शुरू की। करीब

30 मिनट बाद उसे बांध से बाहर निकाला गया और तत्काल जिला अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

परिवार में था इकलौता बेटा

परिजनों के अनुसार अंकित परिवार का इकलौता बेटा था। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। अंकित के चाचा दीपेंद्र ने बताया कि उसे जैसे ही जानकारी मिली, वह अस्पताल पहुंचे लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

पुलिस जांच में जुटी

घटना की सूचना पर सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया। मामले की जांच जारी है। इस संबंध में सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद दागी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनका फोन व्यस्त था।

मिश्र तालाब पर श्रद्धालुओं ने किया तर्पण

रायसेन में लोगों ने किया पितरों का तर्पण, 21 अक्टूबर को होगा समापन

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में आज रविवार से पितृपक्ष (सोलह श्राद्ध) की शुरुआत हो गई। सैकड़ों श्रद्धालु शहर के प्राचीन मिश्र तालाब पर पहुंचे और अपने पितरों का विधिवत तर्पण किया। पितृपक्ष 7 सितंबर से 21 अक्टूबर तक चलेगा।

मिश्र तालाब में तर्पण की परंपरा

वार्ड नंबर 9 स्थित मिश्र तालाब में पंडित दीपक चतुर्वेदी और राजेंद्र दुबे ने विधि-विधान से तर्पण कराया। श्रद्धालुओं ने तालाब में तर्पण करने के बाद घर पर पितरों के पसंदीदा व्यंजन बनाकर भोग लगाया। पंडितों को भी भोजन कराया जाएगा। मिश्र तालाब शहर का एकमात्र प्राचीन जलाशय है और यहां वर्षों से पितृपक्ष में तर्पण की परंपरा चली आ रही है।

पितृपक्ष का महत्व

मान्यता है कि श्राद्ध पक्ष में यमराज पितरों को मुक्त कर देते हैं। इस दौरान पितर अपने परिवार के पास आकर तर्पण ग्रहण करते हैं। भाद्रमास की पूर्णिमा से आश्विन मास की अमावस्या तक चलने वाले इस पितृपक्ष में परिजनों द्वारा तर्पण करना शुभ और आवश्यक माना जाता है।

जब मैदान पर भिड़ गए थे गंभीर-अकमल, एशिया कप में मशहूर हैं ये विवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और नौ सितंबर से टी20 प्रारूप में इसकी शुरुआत होगी। टी20 प्रारूप में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में आठ टीमें हिस्सा लेंगी जिन्हें चार-चार टीमों के दो ग्रुप में बांटा गया है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित सभी आठ टीमों ने इसके लिए स्क्वाड का एलान कर दिया है। भारत इस टूर्नामेंट में गत चैंपियन के रूप में उतरेगा जहां उसकी नजरें खिताब बचाने पर टिकी होंगी।

भारत-पाकिस्तान एक ग्रुप में शामिल : एशिया कप के लिए भारत और पाकिस्तान को एक ही ग्रुप में शामिल किया गया है। ग्रुप ए में ओमान, संयुक्त अरब अमीरात, भारत और पाकिस्तान हैं, जबकि ग्रुप बी में अफगानिस्तान, हॉन्ग कॉन्ग, बांग्लादेश और श्रीलंका की टीमें मौजूद हैं। भारतीय टीम 1984, 1988, 1990/91, 1995, 2010, 2016, 2018 और 2023 में एशिया कप का खिताब जीत चुकी है। भारत सर्वाधिक बार इस टूर्नामेंट को जीतने वाली टीम है।

क्रिकेट से इतर इस टूर्नामेंट में कई बार खिलाड़ी आपस में भिड़ चुके हैं जिसमें गौतम गंभीर और पाकिस्तान के कामरान अकमल के बीच हुई भिड़ंत काफी मशहूर है। आइए जानते हैं एशिया कप में हुए ऐसे चार विवाद जिन्होंने काफी सुर्खियां बटोरी...

शोएब अख्तर बनाम हरभजन सिंह : एशिया कप 2010 में भारत और पाकिस्तान की टीमें आमने-सामने थीं। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 267 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम 49वें ओवर तक जूझती रही, लेकिन मामला तब गरमा गया जब शोएब अख्तर की गेंद पर हरभजन सिंह ने छक्का जड़ा। इससे अख्तर तमतमा गए और दोनों के बीच तीखी बहस होने लगी। हालांकि, अंपायरों ने बीच बचाव कर मामले को शांत कराया। उस मैच में हरभजन ने विजयी छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई थी।

गंभीर बनाम अकमल : एशिया कप 2010 में ही भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के दौरान भारतीय टीम के तत्कालीन सलामी बल्लेबाज और मौजूदा मुख्य कोच गौतम गंभीर और पाकिस्तान के विकेटकीपर कामरान अकमल की बहस हो गई थी। यह बहस इतनी तीखी थी कि दोनों खिलाड़ी एक दूसरे के आमने-सामने आ गए थे। दरअसल दूसरी पारी के दौरान जब भारत लक्ष्य का पीछा कर रहा था, तब शाहिद अफरीदी की गेंद पर कामरान अकमल ने कैच की जोरदार अपील की, लेकिन अंपायर बिली बॉडेन ने नॉटआउट दे दिया। इसके बाद सईद अजमल की गेंद पर भी कैच की अपील की गई और गंभीर इस पर नाराज हो गए। ड्रिंक्स ब्रेक के दौरान गौतम गंभीर और अकमल आमने-सामने आ गए और बहस काफी तीखी हो गई, ऐसा लगा कि मार-पीट भी हो सकती है। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। महेंद्र सिंह धोनी और अंपायर ने दोनों को अलग किया। गंभीर ने इस मैच में 83 रन बनाए और भारत ने तीन विकेट से जीत दर्ज की।

दोनों सेमीफाइनल ड्रॉ पर समाप्त, पहली पारी में बढ़त के आधार पर दक्षिण और मध्य क्षेत्र फाइनल में

नई दिल्ली, एजेंसी। दलीप ट्रॉफी 2025 के दोनों सेमीफाइनल मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए, लेकिन पहली पारी की बढ़त के दम पर दक्षिण क्षेत्र (साउथ जोन) और मध्य क्षेत्र (सेंट्रल जोन) ने फाइनल में जगह बना ली। खिताबी मुकाबला 11 से 15 सितंबर तक बंगलूरू के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सलेंसी में खेला जाएगा। साउथ जोन ने नॉर्थ जोन के खिलाफ पहली पारी में 175 रनों की बढ़त हासिल की। उनकी ओर से नारायण जगदीशन ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली पारी में 197 रन ठोके और दूसरी पारी में भी नाबाद 52 रन बनाए। इसी बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच के समाप्त होने तक साउथ जोन ने दूसरी पारी में एक विकेट खोकर 95 रन बना लिए थे। क्रीज पर जगदीशन 52 और देवदत्त पडिक्कल 16 रन पर नाबाद थे। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में सेंट्रल जोन ने वेस्ट जोन के खिलाफ पहली पारी में 600 रन बनाकर 162 रनों की बढ़त हासिल की। इस दौरान सारांश जैन का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने पहली पारी में तीन विकेट लिए, जबकि दूसरी पारी में बल्ले से नाबाद 63 रन बनाए और गेंदबाजी में पांच विकेट झटके। उन्हें ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। मैच की समाप्ति तक वेस्ट जोन ने दूसरी पारी में आठ विकेट पर 216 रन बना लिए थे और तनुष कोटियान 40 रन पर खेल रहे थे। इस तरह आपसी सहमति से दोनों मैच ड्रॉ घोषित हुए और पहली पारी की बढ़त के आधार पर साउथ और सेंट्रल जोन ने फाइनल में प्रवेश किया।

मुख्य कोच गंभीर से शिवम दुबे को मिली प्रेरणा, बताया एशिया कप से पहले गौतम ने कैसे किया प्रेरित

दुबई, एजेंसी। भारतीय टीम ने एशिया कप के लिए तैयारी शुरू कर दी है और टीम खिताब के बचाव के लिए तैयार है। भारत ने शुक्रवार को अपने पहले नेट सीजन में हिस्सा लिया। टीम के अनुभवी ऑलराउंडर शिवम दुबे ने बताया कि इस टूर्नामेंट से पहले उन्हें मुख्य कोच गौतम गंभीर से प्रेरणा मिली। भारत एशिया कप में अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर से करेगा।

एशिया कप में प्रभाव छोड़ने के लिए उत्सुक होंगे शिवम : शिवम दुबे ने 2024 टी20 विश्व कप में भारत को मिली खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी और अब वह एशिया कप में भी अपना प्रभाव छोड़ने के लिए उत्सुक होंगे। उन्होंने बताया कि गंभीर ने किस तरह टीम के सदस्यों को प्रेरित किया। शिवम दुबे ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की तारीफ की। उन्होंने कहा, कोच ने हमेशा हर खिलाड़ी से एक बात कही है कि जब भी आप अपने देश के लिए खेलते हैं तो आपको कुछ नया करने का मौका मिलता है। यह बस उस ट्रेनिंग का उपयोग करने और एक बेहतर क्रिकेटर बनने की कोशिश करने के बारे में था।

भारत ने नेट सत्र में बहाया पसीना : भारत ने रिकॉर्ड आठ बार एशिया कप जीता है। ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, यूएई और ओमान जबकि ग्रुप बी में श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान और हांगकांग शामिल हैं। भारतीय टीम ने दुबई पहुंचने के साथ ही एशिया कप के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। भारत ने शुक्रवार को आईसीसी अकादमी ओवल में पहले नेट सत्र में हिस्सा लिया। अभ्यास सत्र के दबाज जसप्रीत बुमराह की गेंदों का भी सामना किया।

समाज में कैंसर जागरूकता के लिए डॉक्टरों को समर्पित इंडियन हेल्थकेयर लीग शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। व्हाइटकोट स्पोर्ट्स की ओर से इंडियन हेल्थकेयर लीग (आईएचएल) का अनावरण किया गया है। यह लीग विशेष रूप से डॉक्टरों को समर्पित है। लीग का उद्देश्य डॉक्टरों को खेल के माध्यम से शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रखना है। साथ ही चिकित्सा जगत और समाज में कैंसर जागरूकता और मानसिक स्वास्थ्य पर बातचीत को बढ़ावा देना है। व्हाइटकोट स्पोर्ट्स ने रविवार को बताया कि शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल पूर्व भारतीय क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि इंडियन हेल्थकेयर लीग वास्तव में एक अनूठी पहल है, जो हमें स्वस्थ रखने के लिए अपना जीवन समर्पित करते हैं। लीग का मकसद कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के साथ ही डॉक्टरों के बीच मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करना है। यह बदलाव का एक मूवमेंट है। मेरा मानना है कि यह हेल्थकेयर लीग न केवल डॉक्टरों को, बल्कि पूरे समाज को फिटनेस, निवारक स्वास्थ्य और खेल को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी। व्हाइटकोट स्पोर्ट्स के सीएमडी डॉ. राहुल मंगल ने कहा कि व्हाइटकोट स्पोर्ट्स में हम डॉक्टर-फर्स्ट की नीति में दृढ़ता से विश्वास करते हैं। इंडियन हेल्थकेयर लीग न केवल फिटनेस को बढ़ावा देने के बारे में है, बल्कि हमारे समय की दो महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं कैंसर जागरूकता और मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करने के बारे में भी है। डॉक्टरों को खेल में शामिल होने के लिए एक मंच प्रदान करके हमारा लक्ष्य एक ऐसा प्रभाव पैदा करना है, जहां स्वस्थ डॉक्टर मजबूत समुदायों का नेतृत्व करें। साथ ही यह लीग उन मुद्दों पर जागरूकता भी बढ़ाए जो पूरे भारत में लाखों लोगों को प्रभावित करते हैं। पहले सीजन में छह फ्रेंचाइजी टीमें शामिलइंडियन हेल्थकेयर लीग के पहले सीजन में देश के विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली छह फ्रेंचाइजी टीमें शामिल हैं। ये टीमें दिल्ली अवतार्स, गुजरात वॉरियर्स, महाराष्ट्र मेड टाइटन्स, हरियाणा जुगर्नॉट्स और उत्तर प्रदेश सुपर किंग्स हैं। शुभारंभ समारोह में मुख्य अतिथि पुजारा के साथ कई डॉक्टर भी उपस्थित थे।

5 चौके और 5 छक्के....नहीं थम रहा पोलार्ड का तूफान, 17 गेंदों में पूरा किया अर्धशतक

नई दिल्ली,एजेंसी। वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड ने कैरिबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के मुकाबले में धमाकेदार बल्लेबाजी करते हुए ट्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। गयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मैच में पोलार्ड ने गयाना अमेजन वॉरियर्स के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए महज 18 गेंदों पर नाबाद 54 रन जड़े।

पोलार्ड का तूफान : पोलार्ड ने अपनी आतिशी पारी में पांच चौके और इतने ही छक्के लगाए। खास बात यह रही कि उन्होंने सिर्फ 17 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। पारी के आखिरी ओवर में रोमारियो शेफर्ड की गेंदबाजी पर पोलार्ड ने लगातार दो छक्के जड़े, फिर चौका लगाकर पचासा पूरा किया और अंतिम गेंद पर भी चौका मारा। उनकी इस पारी की बदौलत टीकेआर ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 167 का स्कोर खड़ा किया।

पोलार्ड ने जड़ा सत्र का तीसरा पचासा : यह पोलार्ड का मौजूदा सीजन का तीसरा अर्धशतक है। इससे पहले उन्होंने एक सितंबर को तरौबा में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के खिलाफ 29 गेंदों पर 65 रन बनाए थे और 23 अगस्त को ग्रोस आइलेट में सेंट लूसिया किंग्स के खिलाफ भी 65 रन (29 गेंदों पर) की तेज पारी खेली थी।

मौजूदा सत्र में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज : पोलार्ड ने आंद्रे रसेल के साथ मिलकर अंतिम दो ओवरों में 40 रनों की नाबाद साझेदारी भी की। अब तक सीपीएल के मौजूदा सत्र में पोलार्ड ने नौ मैचों में कुल 291 रन बना लिए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से 25 छक्के और 20 चौके निकले हैं। इसी के साथ पोलार्ड सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। गौरतलब है कि सीपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड एविन लुईस के नाम है, जिन्होंने 2021 में सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स के लिए 38 छक्के लगाए थे।

मैच में क्या हुआ : मुकाबले की बात करें तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ट्रिनिबागो नाइट राइडर्स ने पोलार्ड की अर्धशतकीय पारी की मदद से पांच विकेट पर 167 रन बनाए।

मैदान के बाद अब फिल्मों में धुनाई करेंगे एमएस धोनी आर माधवन संग एक्शन अवतार में देखकर चौंके फैंस

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान एम एस धोनी क्या अब क्रिकेट के मैदान के बाद फिल्मी पर्दे पर अपना जलवा दिखाने के लिए तैयार हैं? दरअसल एम एस धोनी एक प्रोजेक्ट के टीजर में जबरदस्त एक्शन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। बॉलीवुड एक्टर आर माधवन और महेंद्र सिंह धोनी ने इंस्टाग्राम पर द चेज के नाम से एक टीजर रिलीज किया है। इस टीजर में दोनों फाइटर्स एक मिशन पर निकलते हैं और दुश्मनों से लोहा लेते हुए नजर आ रहे हैं। अब माधवन और धोनी मिलकर एक फिल्म लेकर आ रहे हैं या फिर माजरा कुछ और है, फिलहाल ये साफ नहीं हो पाया है।

एक मिशन, दो योद्धा : वीडियो में धोनी और माधवन दोनों ही टास्क फोर्स ऑफिसर्स के लुक में नजर आ रहे हैं। दोनों को 'दो लड़ाके, एक मिशन' की टैगलाइन के साथ दिखाया गया है। वर्दी पहने दोनों सितारों की एंट्री ने फैन्स के बीच उत्साह को दोगुना कर दिया। माधवन ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा ङ्क एक मिशन। दो योद्धा। तैयार हो जाइए, एक जबरदस्त चेज की शुरुआत होने वाली है।

सोशल मीडिया पर मचा हंगामा: जैसे ही माधवन ने यह टीजर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया, वैसे ही सोशल मीडिया पर धूम मच गई। लाखों फैंस ने तुरंत वीडियो को शेयर करना शुरू कर दिया और धोनी की एक्टिंग डेब्यू को लेकर चर्चा तेज हो गई। हालांकि धोनी पहले भी कई विज्ञापनों में और हाल ही में तमिल फिल्म 'गोट' में कैमियो करते हुए नजर आ चुके हैं, लेकिन इस बार उनकी रही है।

एक साल का राजस्व 4193 करोड़, पांच साल में कमाए 14,627 करोड़; क्रिकेट बोर्ड ने दिखाया खाता-बही

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले पांच वर्षों में अपने खजाने में 14,627 करोड़ रुपये की वृद्धि की है। अकेले पिछले वित्त वर्ष में ही 4,193 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसके बाद बीसीसीआई के पास नकद और बैंक बैलेंस मिलाकर कुल 20,686 करोड़ रुपये हो गए हैं। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य संघों का पूरा बकाया चुकाने के बाद भी बीसीसीआई की आमदनी लगातार बढ़ी है। 2019 में जहां बीसीसीआई का सामान्य कोष 3,906 करोड़ रुपये था, वहीं 2024 में यह लगभग दोगुना होकर 7,988 करोड़ रुपये हो गया है।

नकद और बैंक बैलेंस 20686 करोड़ रुपये हुआ : रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 की वार्षिक आम बैठक में प्रस्तुत लेखा विवरण में कहा गया है, मानद सचिव ने सदस्यों को बताया कि 2019 से बीसीसीआई का नकद और बैंक बैलेंस 6,059 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,686 करोड़ रुपये हो गया है, वह भी राज्य क्रिकेट संघों को पूरा भुगतान करने के बाद। 2019 से, बीसीसीआई ने पिछले पांच वर्षों में कुल 14,627 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की है। सिर्फ पिछले वित्त वर्ष में ही यह बढ़ोतरी 4,193 करोड़ रुपये की रही। इसके अलावा, 2019 से, सामान्य निधि भी 3,906 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,988 करोड़ रुपये हो गई है, जो 4,082 करोड़ रुपये की वृद्धि है। बीसीसीआई ने कर देनदारियों को देखते हुए भी बड़ी रकम अलग रखी है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 3,150 करोड़ रुपये आयकर प्रावधान में डाले गए हैं, हालांकि यह मामला अदालतों और न्यायाधिकरणों में अभी चल रहा है।

जमा पूंजी पर बेहतर रिटर्न मिलने से 986.45 करोड़ रुपये हुई आय : रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पिछले साल घरेलू अंतरराष्ट्रीय मैच कम होने से मीडिया अधिकार आय घटकर 813.14 करोड़ रुपये रह गई, जबकि इसके पहले यह 2,524.80 करोड़ रुपये थी। लेकिन जमा पूंजी पर बेहतर रिटर्न मिलने से निवेश से आय 533.05 करोड़ रुपये से बढ़कर 986.45 करोड़ रुपये हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल और आईसीसी से मिलने वाले हिस्से की मदद से बीसीसीआई ने 2023-24 में 1,623.08 करोड़ रुपये का अधिशेष कमाया, जो 2022-23 के 1,167.99 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

राज्य संघों को दिए गए 1990.18 करोड़ रुपये: 2023-24 के लिए, बीसीसीआई ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1,200 करोड़ रुपये, प्लैटिनम जुबली बेनेवोलेंट फंड के लिए 350 करोड़ रुपये और क्रिकेट विकास के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। राज्य संघों को 1,990.18 करोड़ रुपये दिए गए, जबकि चालू वर्ष के लिए 2,013.97 करोड़ रुपये देने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये आंकड़े 28 सितंबर को बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में औपचारिक रूप से प्रस्तुत किए जाएंगे।

जनजातीय बोली संरक्षण हेतु देश का पहला एआई आधारित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। भारत सरकार, जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा जनजातीय भाषाओं और बोलियों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए एआई आधारित अनुवाद ऐप ÷आदिवाणी÷ का बीटा संस्करण लॉन्च किया गया। इसका शुभारंभ बीते दिनों केंद्रीय राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उईके ने डॉ. भीमराव अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में किया। यह भारत का पहला एआई आधारित ट्रांसलेशन ऐप है, जिसके माध्यम से हिंदी, अंग्रेजी एवं जनजातीय बोलियों में वास्तविक समय में टेक्स्ट टू टेक्स्ट, स्पीच टू टेक्स्ट और स्पीच टू स्पीच अनुवाद संभव होगा।

इसके प्रथम चरण में छत्तीसगढ़ की गोंडी, मध्यप्रदेश की भीली, झारखंड की मुंडारी और ओडिशा की संथाली बोलियों को शामिल किया गया है। वहीं दूसरे चरण में ओडिशा की कुई और मेघालय की गारो बोली को जोड़े जाने का निर्णय लिया गया है। यह ऐप आईआईटी दिल्ली, बिट्स पिलानी, आईआईआईटी हैदराबाद और आईआईआईटी नवा रायपुर द्वारा विकसित किया गया है। गोंडी बोली के लिए कार्पस निर्माण का कार्य छत्तीसगढ़ में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा कराया गया। यह कार्य प्रमुख सचिव श्री सोनमणी बोरा के निर्देशन में संपन्न हुआ। गोंडी बोली के लिए संस्थान द्वारा 1,06,571 वाक्यों का अनुवाद और 17,500 वाक्यों की रिकॉर्डिंग कर उपलब्ध कराई गई है।

उल्लेखनीय है कि भारत विविधताओं का देश है, जहां अनेक भाषाएँ और बोलियाँ बोली जाती हैं। जनगणना 2011 के अनुसार भारत में लगभग 461 जनजातीय बोलियाँ हैं, जिनमें से 71 को विशिष्ट जनजातीय बोली माना गया है। इन्हीं बोलियों के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से भारत सरकार, जनजातीय कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा अनुवाद टूल तैयार किया गया है। यह ऐप गोंडी बोली के संरक्षण के साथ-साथ शिक्षा, सरकारी योजनाओं की जानकारी, स्वास्थ्य परामर्श, प्रधानमंत्री के भाषण, लोककथाओं, मौखिक परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने में मददगार होगा। इसके माध्यम से जनजातीय समुदायों में डिजिटल साक्षरता, स्वास्थ्य संचार और नागरिक समावेशन को भी बढ़ावा मिलेगा। आदिवाणी ऐप लिंक https://aadivaani.tribal.gov.in से डाउनलोड कर सकते है।

अधिग्रहण के लिए जारी किया अधिसूचना

अधिग्रहण की कार्यवाही पूर्ण, जल्द ही शुरू होगा मुआवजा वितरण का कार्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। स्वास्थ्य मंत्री और स्थानीय विधायक श्याम बिहारी जायसवाल का प्रयास जिले में यात्री सुविधाओं और रेल परियोजनाओं के विस्तार के लिए रंग ला रहा है। उनकी कोशिशों से रेल मंत्रालय ने चिरमिरी नागपुर हॉल्ट रेल परियोजना के लिए दावा आपत्ति के बाद भू अर्जन की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है। रेल मंत्रालय ने इसके लिए एक अधिसूचना जारी की है। केंद्रीय सरकार ने रेल अधिनियम 1989 के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में चिरमिरी नागपुर रोड हाल्ट रेल परियोजना (17 किलोमीटर) के लिए भूमि अधिग्रहण की अधिसूचना जारी कर दी है। इस अधिसूचना के अंतर्गत 36.392 हेक्टेयर रकबे की कुल 198 भूमि खंडों को परियोजना के लिए अधिग्रहित करने का रास्ता साफ हो गया है। इसके साथ ही अब शीघ्र ही प्रभावितों को मुआवजा वितरण का कार्य शुरू किया जाएगा।

केंद्र सरकार ने सक्षम प्राधिकारी की रिपोर्ट पर सहमति प्रदान करते हुए अंतिम रूप से भूमि अधिग्रहण की घोषणा की है। अधिसूचना के अनुसार, यह भूमि अब भारत सरकार (रेल मंत्रालय) के नाम दर्ज होगी और परियोजना कार्यों के लिए उपयोग की जाएगी। रेल मंत्रालय (दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे) द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, इस परियोजना को वर्ष 2018-19 में मंजूरी दी गई थी। भूमि अर्जन की प्रक्रिया के दौरान निर्धारित समयावधि में कुल 32 आपत्तियां प्राप्त हुई थीं, जिनमें से 5 आपत्तियां सही पाई गईं। सक्षम प्राधिकारी द्वारा शेष आपत्तियों का निराकरण कर रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपी गई।

प्रदेश में अब तक 952.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। छत्तीसगढ़ में 1 जून से अब तक 952.4 मि.मी. औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा स्थापित राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश में अब तक बलरामपुर जिले में सर्वाधिक 1329.0 मि.मी. वर्षा रिकार्ड की गई है। बेमेतरा जिले में सबसे कम 461.7 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई है। रायपुर संभाग में रायपुर जिले में 810.7 मि.मी., बलौदाबाजार में 702.0 मि.मी., गरियाबंद में 786.0 मि.मी., महासमुंद में 695.9 मि.मी. और धमतरी में 839.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। बिलासपुर संभाग में बिलासपुर जिले में 988.5 मि.मी., मुंगेली में 966.2 मि.मी., रायगढ़ में 1165.8 मि.मी., सारंगढ़-बिलाईगढ़ में 809.9 मि.मी., जांजगीर-चांपा में 1156.2 मि.मी., सक्ती में 1049.8 मि.मी., कोरबा में 1003.4 मि.मी. और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही 908.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है।

दुर्ग संभाग में दुर्ग जिले में 742.9 मि.मी., कबीरधाम में 672.0 मि.मी., राजनांदगांव में 830.8 मि.मी., मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी में 1170.9 मि.मी., खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में 690.0 मि.मी. और बालोद में 1013.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज हुई है। सरगुजा संभाग में सरगुजा जिले में 679.8 मि.मी., सूरजपुर में 1006.0 मि.मी., जशपुर में 930.1 मि.मी., कोरिया में 1059.2 मि.मी. और मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 956.0

सीटी स्कैन मशीन मिलने से शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव में स्वास्थ्य सुविधाओं में हुई बढ़ोत्तरी

पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा एवं ट्रॉमा सेंटर स्थापना के लिए किया गया भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने आज भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय राजनांदगांव में सीटी स्कैन मशीन का लोकार्पण तथा पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की आदमकद प्रतिमा एवं ट्रॉमा सेंटर स्थापना हेतु भूमिपूजन किया।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, महापौर मधुसूदन यादव एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि शासकीय मेडिकल कॉलेज राजनांदगांव के लिए आज का दिन गौरवपूर्ण है तथा सीटी स्कैन मशीन मिलने से महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज को 30 करोड़ रूपए की लागत की एमआरआई मशीन मिलेगी, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोत्तरी होगी। वही 2 करोड़ 69 लाख रूपए के ट्रामा सेंटर का आज भूमिपूजन एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की आदमकद प्रतिमा की स्थापना के लिए भूमिपूजन किया गया है। उन्होंने इसके लिए सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इसके लिए उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि निर्णय एवं क्रियान्वयन के लिए सभी के संयुक्त प्रयासों से यह सौगात मिली। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव में 17 सितम्बर 2025 को एक दिवसीय मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें शासकीय एवं निजी हॅस्पिटल के रायपुर, दुर्ग, भिलाई से आए विशेषज्ञ चिकित्सक जनसामान्य को चिकित्सा सेवाएं देंगे। उन्होंने इस एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर में लोगों को अधिक से अधिक शामिल होकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने की अपील की।

उप मुख्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि राजनांदगांव जिले को एक अच्छी सौगात मिली है। सीटी स्कैन मशीन लगने के साथ ही ट्रामा सेंटर का शुभारंभ होने से जनसामान्य को स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेगी। इसके लिए उन्होंने सभी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि कार्य करने का जुनून हो तो अच्छे कार्य होते है। उन्होंने बताया कि कबीरधाम जिले में भी मेडिकल कालेज का निर्माण किया जा रहा है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा विभाग मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ निर्माण के बाद पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के नेतृत्व में स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोत्तरी हुई। उन्होंने राजनांदगांव मेडिकल कालेज को एम्स की तर्ज पर अपने मार्गदर्शन में निर्माण कराया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय स्वास्थ्य सुविधाओं की दिशा में विशेष तौर पर कार्य कर रहे है। मुख्यमंत्री ने पांच मेडिकल कॉलेज कबीरधाम, जांजगीर-चापा, दन्तेवाड़ा एवं जशपुर में स्वीकृत किए है। जिसका शीघ्र ही शुभारंभ किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में सुपर मल्टीस्पेशिलिटी हास्टिल प्रारंभ किए जा रहे है तथा 17 जिलों में सीटी स्कैन मशीन एवं एमआरआई मशीन लगाई गई है। उन्होंने कहा कि शासकीय मेडिकल कालेज राजनांदगांव में 30 करोड़ रूपए की लागत से एमआरआई मशीन लगाया जाएगा। बस्तर क्षेत्र के दूरस्थ अंचलों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच रही है। नक्सलवाद की लड़ाई में घायल जवानों को त्वरित स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए कार्य किया जा रहा है।

मनेन्द्रगढ़ विश्रामगृह में अब बिना अनुमति प्रवेश वर्जित, आदेश तत्काल प्रभाव से होगा लागू

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी, (निप्र)। एमसीबी के अनुविभागीय दण्डाधिकारी कार्यालय से जारी आदेश में कहा गया है कि मनेन्द्रगढ़ स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्रामगृह का आबंटन अब केवल अनुविभागीय दण्डाधिकारी अथवा जिला सत्कार अधिकारी की अनुमति से ही किया जाएगा। शासन द्वारा समय–समय पर जारी दिशा–निर्देशों और सत्कार संबंधी प्रचलित नियमों के अनुरूप विश्रामगृह का उपयोग होगा तथा इसमें केन्द्र, राज्य शासन और जिला प्रशासन द्वारा अधिकृत माननीय अतिथियों को प्राथमिकता दी जाएगी। बिना अनुमति किसी भी निजी या अनधिकृत व्यक्ति का प्रवेश विश्रामगृह में पूर्णतः निषेध रहेगा। प्रत्येक आबंटन के लिए पूर्व स्वीकृति तथा बुकिंग रजिस्टर में प्रविष्टि अनिवार्य होगी, जिसमें आगंतुक का नाम, पदनाम, कार्यालय एवं प्रवास अवधि का स्पष्ट उल्लेख किया जाएगा। विश्रामगृह परिसर में वाहनों की पार्किंग की अनुमति केवल अधिकृत आगंतुकों और शासकीय वाहनों को ही होगी। यदि आदेश का उल्लंघन किया जाता है तो इसे शासकीय कार्य में बाधा मानते हुए संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

कैबिनेट मंत्री देवांगन पुलिस लाइन कॉलोनी पहुंच कर दी श्रद्धांजलि

शोक संतृप्त परिवार जनों से मुलाकात कर बांटा दुख

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन आज शनिवार को कोरबा के पुलिस लाइन कॉलोनी पहुंच कर तालाब में डूबने से दिवंगत बच्चों को पुष्प अर्पित कर परिवार जनों को ढाँढस बंधाकर दुख बांटा। एक दिन पहले पुलिस कॉलोनी के तीन बच्चों की तालाब में डूबने से मृत्यु हो गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही कैबिनेट मंत्री देवांगन ने पुलिस अधिकारियों से घटना की पूरी जानकारी ली थी।

शनिवार को मंत्री देवांगन ने दिवंगत बच्चे के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। शोकाकुल परिवार जनों से भेंट कर ढाँढस बंधाया। इस अवसर पर महापौर संजू देवी राजपूत, राकेश नागरमल अग्रवाल, अभिषेक पालीवाल, अनिल यादव भी उपस्थित रहे।

चाकू मार कर यूवक की हत्या करने वाले आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने लगवाए नारे

मीडिया ऑडीटर, मनेन्द्रगढ़ (निप्र)। मनेन्द्रगढ़ में बीते शुक्रवार की रात को एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। यह घटना पुरानी रंजिश के चलते हुई, जब करण राठौर को मनेन्द्रगढ़ शहर के रेलवे स्टेशन रोड पर अकेले पाकर कुछ युवकों ने उसे रोककर मारपीट की और फिर चाकू से वार किया। इस हमले में करण बुरी तरह घायल होकर लहूलुहान हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग एकत्रित हो गए और करण को तत्काल अस्पताल ले जाया गया। लेकिन दुर्भाग्यवश, अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी और दहशत का माहौल फैला दिया।

शुक्रवार रात करीब 11 बजे हुई इस हत्या के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे में नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इनमें से दो आरोपी नाबालिग हैं और एक आरोपी फरार है, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने गिरफ्तार किए गए सात आरोपियों का सार्वजनिक जुलूस निकाला, जिसमें आरोपी नारे लगाते नजर आए। उन्होंने कहा कि पुलिस हमारी बाप है, अपराध करना पाप है। यह नजारा देखने के लिए सैकड़ों नागरिक घरों से निकलकर सड़कों पर उमड़ पड़े।

स्थानीय निवासियों ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की हिंसा समाज में असुरक्षा की भावना को बढ़ाती है। वारदात के बाद से लोग भयभीत हैं और अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। पुलिस ने इस मामले में सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वे इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और सभी आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम बनाई गई है, जो जल्द से जल्द उसे पकड़ने का प्रयास करेगी।

डबल सब्सिडी से छत्तीसगढ़ में सौर ऊर्जा का उजाला

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से रोशनी और राहत

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने छत्तीसगढ़ में ऊर्जा क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया है। केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना को प्रदेश सरकार के प्रत्यक्ष सहयोग से दोगुना लाभ मिल रहा है। डबल सब्सिडी और हाफ बिजली से मुफ्त बिजली की ओर छत्तीसगढ़ का संकल्प अब साकार होने लगा है। इस योजना से न केवल बिजली का खर्च कम होगा, बल्कि आम नागरिकों के लिए अतिरिक्त आय का साधन भी उपलब्ध होगा।

आवासीय मकानों की छतों पर सौर पैनल स्थापित कर स्वच्छ, किफायती और स्थायी ऊर्जा उपलब्ध कराना इस योजना का उद्देश्य है। वर्ष 2024 में घोषणा के बाद यह योजना देशभर में लागू की गई और अब छत्तीसगढ़ सरकार ने भी इसमें अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित की है। पूर्व में केंद्र सरकार द्वारा 60 प्रतिशत तक सब्सिडी दी जा रही थी। राज्य सरकार की भागीदारी से यह राहत और बढ़ गई है। उदाहरणस्वरूप, 3 किलोवाट क्षमता के सौर पैनल की कुल लागत लगभग 1.50 लाख रुपये होती है। डबल सब्सिडी के पश्चात उपभोक्ताओं को अब केवल 30 से 40 हजार रुपये का व्यय करना होगा।

योजना के अंतर्गत उपभोक्ताओं को बैंकों से 6.5 प्रतिशत ब्याज दर पर 10 वर्षों के लिए ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। इससे मासिक ईएमआई इतनी किफायती होगी कि यह मौजूदा बिजली बिल से भी कम साबित होगी। कुछ वर्षों पश्चात उपभोक्ता को जीवनभर मुफ्त बिजली का लाभ मिलेगा। घर में आवश्यकता से अधिक उत्पादित बिजली राज्य की वितरण कंपनियों को ग्रिड के माध्यम से बेची जा सकेगी। यह व्यवस्था विशेषकर ग्रामीण एवं अर्ध-शहरी क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त आय एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता का साधन बन रही है।

यह योजना केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी लाभकारी है। प्रत्येक घर ग्रीन एनर्जी हब के रूप में विकसित हो रहा है तथा कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। जहां ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहती है, वहां सौर ऊर्जा के माध्यम से निर्बाध एवं स्वच्छ बिजली उपलब्ध होगी।

केन्द्र सरकार की अभिनव पहल 'प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना'

चांटीडीह निवासी अशोक साहू ने दो घरों में लगवाया सोलर पैनल, बिजली बिल हुआ शून्य

मीडिया ऑडीटर, रायपुर, (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना एक ऐसी योजना है जिसमें सौर ऊर्जा के माध्यम से घरों तक रोशनी पहुंचाई जा रही है। योजना का उद्देश्य उपभोक्ताओं को बिजली के लिए आत्मनिर्भर बनाना है। इसके तहत हितग्राहियों को केन्द्र सरकार की ओर से 78 हजार रूपए और राज्य सरकार द्वारा 30 हजार तक की सब्सिडी दी जा रही है साथ ही प्रतिमाह 300 यूनिट फ्री बिजली का भी प्रावधान है। योजना के तहत बिलासपुर जिला चांटीडीह निवासी अशोक साहू ने अपने दो घरों की छत पर सोलर पैनल लगवाया है, उन्होंने चार किलोवाट और तीन किलोवाट के दो सोलर पैनल लगवाएं हैं जिनमें से एक उनकी पत्नी प्रीति साहू के नाम है। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल से हो रहे बिजली उत्पादन से अब उन्हें महंगे बिजली के बिल से राहत मिल रही है और उनके दोनों घरों का बिजली बिल शून्य हो गया है। इस महत्वपूर्ण योजना के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का आभार जताया है।

चांटीडीह निवासी अशोक साहू ने बताया कि उनके दो घर हैं एक उनकी पत्नी के नाम और एक स्वयं उनके नाम पर, घर बड़ा और संयुक्त परिवार होने के कारण बिजली की खपत काफी अधिक थी जिससे बिल काफी अधिक आता था। सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के विषय में जानकारी मिलने पर उन्होंने भी इसे लगवाने का निर्णय लिया और दोनों घरों की छत पर सोलर पैनल लगवाया। उन्होंने बताया कि तीन किलोवाट की लागत 190000 थी जो 90 प्रतिशत उनकी पत्नी के नाम पर फाइनेंस हो गया। वहीं चार किलोवाट की लागत 240000 थी जिसमें से केंद्र द्वारा सब्सिडी के रूप में 78000 और राज्य सरकार की सब्सिडी 30000 रुपए उनके खाते में आ गए हैं। वहीं उनकी पत्नी के नाम पर लगे सोलर पैनल की सब्सिडी भी जमा हो गई है। उन्होंने बताया कि जब से उन्होंने अपने दोनों घरों की छत पर सोलर पैनल लगवाया है, उनके बिजली बिल शून्य हो गया है। सोलर पैनल के जरिए छत पर हो रहे बिजली उत्पादन से उनकी प्रतिमाह बिजली पर होने वाले खर्च की बचत हो रही है। श्री साहू ने बताया कि दोनों घरों की छत पर 7 किलोवाट का सोलर पैनल लगा है, जिससे हो रहे बिजली उत्पादन से प्रतिमाह बिजली बिल की अब चिंता नहीं रही, वहीं वे उत्पादक के रूप में भी बिजली की सप्लाई भी कर रहे हैं जो गर्व की बात है। सोलर पैनल लगवाने के बाद उनके घर का बिजली बिल शून्य हो गया है।

उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत केवल 1 बार निवेश करना है जिसके बाद 25 वर्षो तक बिजली की आपूर्ति होती रहेगी। लंबे समय के लिए यह एक बेहद किफायती योजना है जिसके लिए बैंक द्वारा कम ब्याज दर पर ऋण की भी सुविधा दी जाती है। उन्होंने बताया कि एक बार सोलर पैनल लगवाने के बाद इस पर किसी प्रकार का मेंटेनेन्स खर्च नहीं है और पैनल लगाने वाली कंपनी द्वारा 5 साल तक निःशुल्क सर्विसिंग की सुविधा दी जाती है। उन्होंने कहा कि यह पर्यावरण की दृष्टि से बेहद उपयोगी है। इस माध्यम से हम सौर ऊर्जा कर उपयोग कर बिजली का उत्पादन कर पा रहे हैं, जो ग्रीन एंनर्जी को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वह इस योजना को अपनाकर सौर ऊर्जा का उपयोग करते हुए बिजली के लिए आत्मनिर्भर बनें और पर्यावरण संवर्धन में अपना योगदान दें।

उल्लेखनीय है कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत शासन द्वारा शहरी एवं ग्रामीण घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को अपने घरों की छतों पर रूफ टॉप सोलर प्लाण्ट स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा